श्री विट्ठल

नामदेव पत्रिका

त्रैमासिक

जुलाई - दिसम्बर 2022

संत बाल नामदेव

बाबा नामदेव महाराज

प्रकाशक : अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

डॉ. पारुल जोशी

DOB : 24-3-1997
को यूक्रेन से MBBS पूर्ण कर कोटा
मेडीकल कॉलेज में इंटर्नशिप करने पर
तथा इनके अनुज ....

चि. शिवांक जोशी

DOB : 26-4-2001
B.Tech. (C.S.)
को टेक महिन्द्रा कम्पनी में प्रोडक्ट डवलपमेन्ट
इंजीनियर के पद पर चयनित होने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं

दिव्य आशीष : स्व. श्री प्रेमराज जी जोशी–स्व.श्रीमती धापू बाई (पड़दादा–दादी)

शुभेच्छु :

श्रीमती प्रेमलता–स्व. श्री लालचंद जोशी (दादा–दादी), भरत जोशी–श्रीमती मंजू (पिता–माता), सुनील–श्रीमती निर्मला (ताऊजी–ताईजी), कृष्णगोपाल जोशी (काकाजी), रमेश जी सांखला–स्व.श्रीमती कस्तूरी देवी (नाना–नानी) स.माधोपुर, चतुर्भुज जोशी–श्रीमती चन्द्रकांता, नवल किशोर–श्रीमती प्रेमलता, दिनेश–श्रीमती ज्ञानदेवी, रामेश्वर–श्रीमती इन्द्रा (छोटे दादा–दादी), हिमांशु, शुभम, अभिनव (IIT), अनुभव (B.Tech), दुष्यन्त, यजत, केशव, प्रांश (भ्राता), रितु, युक्ता, माही, आस्था, पूर्वा, पार्थी (बहिन), योगेश–संगीता, हरीश–महिमा, नितेश–प्रियंका, पीयूष–ममता, हितेष–प्रीति, आशीष–शिवानी, दीपक–नेहा (काका–काकी), ज्योति, प्रमिला, किरण, शिवानी (बुआजी) एवं समस्त जोशी परिवार (चेचट वाले)

प्रतिष्ठान :

मै. अन्नपूर्णा भण्डार
मो.: 9214460108

मै. जे.आर. ट्रेक्टर्स
रामगंजमण्डी, मो.: 9414192265

निवास: 1-D-33, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रामगंजमण्डी, जिला कोटा (राज.)

पंजीयन संख्या 38303/83
वर्ष : 41-42 अंक : 4-1
जुलाई - दिसम्बर 2022

प्रधान संपादक
घनश्याम वर्मा (मेड़तवाल)
KR-77, सिविल लाइंस, कोटा
Mob. 94133-64741 W.A.

कार्यवाहक प्रबंध संपादक
श्रीमती शांति पाटौदी

कार्यवाहक सह प्रबंध संपादक
जगदीश श्रेष्ठी
M. 9829036524

कोषाध्यक्ष
रामवरण आमेरिया
M. 8875275437

❖ विज्ञापन दर ❖

अन्तिम कवर (बाहर-बहुरंगी)	5000/-
अन्तिम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
प्रथम कवर (अन्दर-बहुरंगी)	4000/-
वैवाहिकी पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	3000/-
सामान्य पूरा पृष्ठ (बहुरंगी)	2500/-
सामान्य आधा पृष्ठ (बहुरंगी)	1500/-
सामान्य पूरा पृष्ठ B/W	1000/-
सामान्य आधा पृष्ठ B/W	500/-

दिनांक : अप्रैल 2012 से प्रभावी

❖ सदस्यता शुल्क ❖
● आजीवन सदस्यता 1500/-
(नई दर अप्रैल 2022 से लागू)

पत्राचार का पता
एवं प्रकाशन कार्यालय
संत नामदेव आई.टी.आई.
प्लाट नं. 1, सेक्टर-1, महावीर नगर
विस्तार योजना, कोटा-9 (राज.)

❖ मुद्रक ❖
प्रिन्ट शॉप
रामपुरा, कोटा ☎ 2380156

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका

(अ. भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति का त्रैमासिक प्रकाशन)
Website : www.santnamdevchhipasamaj.com
E-mail : v.namdevpatrika@gmail.com

संयुक्तांक

विषयानुक्रमणिका

1.	संपादकीय	– घनश्याम वर्मा	2
2.	संत शिरोमणि नामदेव	– बंशीलाल चड़िया	3-6
3.	अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार : एक रिपोर्ट	– घनश्याम वर्मा, आशीष नामदेव	7-11
4.	बहू बेटियों के लिए अनमोल सीख	– संकलन	12
5.	सकल नामदेव समाज-महती आवश्यकता	– नरेन्द्र कुमार गहलोत	13-14
6.	समाज भूषण – श्री मदन लाल छीपा	– घनश्याम वर्मा	15-16
7.	वैवाहिकी : सम्बन्ध योग्य युवक	– संकलन	17-19
8.	बेटियां (कविता)	– राम गोपाल राही	20
9.	विट्ठल भजन	– गोपाल नामा	20
10.	विनती (कविता)	– वृद्धिचन्द गोठवाल	20
11.	वैवाहिकी : सम्बन्ध योग्य युवतियां	– संकलन	21-24
12.	हे संत शिरोमणि (कविता)	– गोपाल नामेन्द्र	24
13.	संस्था समाचार – विभिन्न स्थानों से.....	– संकलन	35-44

आवश्यक सूचना

● श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका, कोटा ● खाता संख्या 08370100003069
● बैंक का IFSC CODE- BARB0KOTRAJ है।
● बैंक शाखा – बैंक ऑफ बड़ौदा, झालावाड़ रोड़ शाखा, कोटा (राज.)
● पत्रिका सदस्यता शुल्क, विज्ञापन शुल्क एवं किसी भी प्रकार की अनुदान राशि इस खाते में किसी भी मोड से ऑनलाईन / ऑफ लाईन जमा करवाई जा सकती है।
● राशि जमा की बैंक स्लिप या रेफरेन्स वाट्सअप किया जाना जरूरी है।
● राशि ड्राफ्ट या चैक से भी सीधे बैंक खाते में जमा की जा सकती है,।

– प्रधान सम्पादक, वाट्सअप नं. 9413364741

सम्पादकीय .....

संत नामदेव जयन्ती सप्ताह समारोह

संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की 752 वीं जयन्ती इस वर्ष देश भर में श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक मनाई गई। प्रत्येक घर-परिवार के अलावा समाज की सभी खांप वर्गों की सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रांत, जिला, तहसील, शहर, कस्बा एवं ग्राम स्तर पर विविधतापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रही।

अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति द्वारा समाज की सभी स्तर की सामाजिक संस्थाओं के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम सोशल मीडिया के माध्यम से जारी किया गया, जिसके काफी अनुकूल परिणाम सामने आए। सप्ताह के दौरान प्रतिदिन आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण किया गया। यथा जयन्ती दिवस अर्थात 4 नवम्बर को सामूहिक विवाह सम्मेलन स्थल या किसी सामाजिक कार्यक्रम स्थल पर जयंती मनाने, प्रदर्शनी का आयोजन करने संत नामदेव के जीवन दर्शन पर पत्रक वितरित करने, घर-घर में नामदेव की पूजा, अर्चना, आरती, नामदेव चालीसा का पाठ, शाम को दीपदान, प्रातः काल प्रभात फेरी, मंदिरों में हवन-पूजन आदि कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये।

इसी कड़ी में 5 नवम्बर को कथा वाचन, भजन गायन, फिल्म प्रदर्शन तथा चिकित्सा शिविर के आयोजन प्रस्तावित किये गये। जयन्ती सप्ताह के तीसरे दिन 6 नवम्बर को सभी खांपों के साथ मिलकर शोभायात्रा, नामदेव विषयक विचित्र वेशभूषा प्रतिस्पर्धा तथा योग शिविरों के आयोजन हेतु आग्रह किया गया। इसी दिन प्रवासी छीपा बन्धुओं से भी कोई न कोई कार्यक्रम करने का निवेदन किया गया। दिनांक 7 नवम्बर को बच्चों की ऑनलाइन/ऑफलाइन, निबंध, भाषण, चित्रकला एवं क्विज प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन प्रस्तावित किये गये। दिनांक 8 नवम्बर को समाज एकता हेतु संगोष्ठी एवं चर्चा करने के अलावा हमारे पारंपरिक व्यवसायों की उन्नति में बाधक तत्वों का पता लगाना, लुप्त हो रही कलाओं के संरक्षण पर चर्चा करना, राष्ट्रपति पदक प्राप्त दस्तकारों को सम्मानित करना तथा युवाओं को व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करना आदि कार्यक्रम प्रस्तावित किये गये।

सप्ताह के दौरान 9 नवम्बर को नामदेव जी के जीवन से संबंधित प्रसंगों पर लघुनाटिकाओं का मंचन, विट्ठल नामदेव के स्वरूप बनाना, नामदेव पर भजन, कविता लेखन एवं पठन, गायन कार्यक्रम निर्धारित किये गये। दस नवम्बर को **संत नामदेव महाराज के विचार दर्शन की वर्तमान में प्रासंगिकता** विषय पर **अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार** का आयोजन किया गया। इसमें संत नामदेव पर विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त कर संतश्री की महिमा एवं महानता को वर्णित किया। सप्ताह के दौरान सामाजिक संस्थाओं से यह भी अनुरोध किया गया कि वे अपने राज्य में नामदेव जयन्ती का ऐच्छिक अवकाश घोषित करवाने, अपने नगर व कस्बे के किसी मार्ग चौराहे या सामुदायिक भवन का नामकरण संत शिरोमणि के नाम पर रखने हेतु प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्वायत्तशासी संस्थाओं को ज्ञापन प्रस्तुत करें।

निश्चित रूप से 752 वीं जयन्ती पर समाज बन्धुओं द्वारा तथा हमारी संस्थाओं के बेनर तले अनेक सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जो सप्ताह की सार्थकता को सिद्ध करता है। राष्ट्रीय छीपा महासभा सभी आयोजक संस्थाओं तथा समाज बन्धुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है। जय नामदेव!

(घनश्याम वर्मा)
प्रधान सम्पादक

संत शिरोमणि नामदेव

आदरणीय समाज बंधुओं ! जैसा कि आप सब जानते हैं, भारतवर्ष समृद्धि के क्षेत्र में सोने की चिड़िया एवं ज्ञान के क्षेत्र में विश्वगुरु के रूप में जाना जाता रहा है। भारतवासियों की उदारता का दुरुपयोग कर विदेशी आक्रांताओं ने भारत को गरीब एवं गुलाम बना दिया था। अब समय आ रहा है कि भारत अपने गौरव को पुन: प्राप्त करे, परंतु इसके लिए हम सभी भारतवासियों को अपने-अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करना होगा।

भारत के गौरवशाली अतीत का मूल आधार यहां के वेद, पुराण, उपनिषद आदि धार्मिक ग्रंथ और उनके मूल में हमारे संत हैं, जिन्होंने उन शास्त्रों का अध्ययन कर उनका ज्ञान दुनिया में फैलाया, जिसके अनुसार भारतीयों की जीवन पद्धति थी। काल की गति से ही शास्त्रों के अध्ययन एवं उनके अनुसार जीवन पद्धति में अंतर हुआ, जिससे पृथ्वी पर मानव जीवन को ही खतरा हो गया है, परंतु भारत की भूमि ऋषि-मुनियों की भूमि रही है। यहीं से सनातन धर्म के सिद्धांतों से विश्व को दिशा मिलती रही है। अब पुन: भारत के गौरवशाली अतीत के उभरने के संकेत मिल रहे हैं, जिनमें प्रमुखता है अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण, काशी में विश्वनाथ परिसर, उज्जैन में महाकाल लोक एवं ब्रिटेन में ऋषि सोनक का प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित होना।

वर्तमान परिस्थितियों में मैं संत विनोबा भावे के साहित्य का उल्लेख करना उचित समझता हूं, जिसमें उन्होंने 21 खंडों में वेद, पुराण, उपनिषद, यहां के संत तथा यहां की संस्कृति आदि का वर्णन किया है। इसमें मुख्य रूप से उन्होंने पांच संतो का उल्लेख किया है। ज्ञानदेव, नामदेव, एकनाथ, तुकाराम, समर्थ रामदास यानी प्रेमी, शांत, विरागी, कर्मरत।

– बंशीलाल जड़िया

संत ज्ञानदेव जो संत ज्ञानेश्वर जी के नाम से भी प्रसिद्ध रहे हैं, संत नामदेव से उम्र में 5 वर्ष छोटे थे। ज्ञानेश्वर जी का जैसा नाम है, इनकी भक्ति भी ज्ञान प्रधान थी। जैसा कि उनके नाम से ही स्पष्ट है। इन्होंने मराठी में भावार्थ दीपिका का अर्थ ज्ञानेश्वरी, अमृतानुभव, हरिपाठ के अभंग तथा चांगदेव पासष्टी की रचना की। संत ज्ञानेश्वर प्रथम संत हैं, जिन्होंने विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता की गैर संस्कृत भाषा मराठी में रचना की, जो ज्ञानेश्वरी के नाम से प्रसिद्ध है। यह मराठी भाषा की ओबी छंदों में रचना है। इस प्रकार श्रीमद्भगवद्गीता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलवाने का सर्वप्रथमश्रेय संत ज्ञानेश्वर जी को ही है। संत नामदेव जी की भक्ति प्रेम प्रधान थी। उन्होंने लगभग 2570 अभंगों की रचना मराठी में की। इनके अभंग प्रेम प्रधान हैं। इनके प्रेम के संबंध में संत ज्ञानेश्वर जी महाराज भी इनकी बहुत प्रशंसा करते थे।

संत एकनाथ जी की रचना शांति प्रधान थी। इनके साहित्य में शांति प्रधान भक्ति है। इसमें श्रीमद्भागवत के 11 वें स्कंध की विस्तृत व्याख्या है। उन्होंने बनारस में श्रीमद्भागवत की व्याख्या बहुत

प्रभावी ढंग से की, जिससे वहां के लोगों ने पालकी में इनका जुलूस निकाला। तब से भारत में श्रीमद्भागवत की यात्रा निकालकर साप्ताहिक प्रवचन होने लगे।

संत तुकाराम जी की भक्ति वैराग्य प्रधान है, जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। संत स्वामी समर्थ रामदास की भक्ति कर्म प्रधान रही है। इन्होंने शिवाजी के गुरु के रूप में कार्य किया। शिवाजी ने इन्हें अपना पूरा राज्य दान में दे दिया था। बाद में शिवाजी ने इनके मार्गदर्शन में राज्य का काम संभाला था, जो भारत के इतिहास में विशेष महत्व रखता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि सभी संतो ने अपने-अपने मार्ग से भक्ति की है, परंतु संत नामदेव का मार्ग प्रेम का मार्ग रहा है। संत नामदेव का जन्म संवत 1327 कार्तिक शुक्ल एकादशी (रविवार) तदनुसार 26 अक्टूबर सन 1270 को प्रातः सूर्योदय के समय महाराष्ट्र के सतारा जिले में कृष्णा नदी के किनारे स्थित नरसी बामनी ग्राम में हुआ। इनके पिता का नाम दामा सेठ एवं माता का नाम गोणाई था। ये दोनों भगवान विट्ठल के परम भक्त थे। इनका प्रभाव बालक नामदेव पर भी पड़ा।

नामदेव बचपन से ही भगवान विट्ठल से बहुत प्रेम करते थे। एक बार दामा सेठ को घर से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने नामदेव को भगवान विट्ठल की पूजा का भार सौंपा। नामदेव ने पूजा की। भगवान को कटोरे में दूध का नैवेद्य अर्पित कर, यह सोच कर नेत्र बंद कर लिए कि भगवान विट्ठल दूध पी लेंगे। कुछ देर रखा बाद नेत्र खोलकर देखते हैं कि दूध तो वैसा का वैसा ही है। बालक नामदेव ने सोचा कि मेरे से कोई गलती हो गई है, इसलिए भगवान दूध नहीं पी रहे हैं। वह बड़ी दीनतापूर्वक नाना प्रकार से प्रार्थना करने लगे और जब उनसे भी काम नहीं चला तो रोते-रोते बोले-विठोबा आपने आज दूध नहीं पिया तो मैं जीवन भर दूध नहीं पियूंगा। बालक नामदेव के लिए वह पत्थर की मूर्ति नहीं थी। साक्षात पंढरीनाथ थे, जो दूध नहीं पी रहे थे। बच्चे की प्रतिज्ञा सुनते ही वे साक्षात प्रकट हो गए, उन्होंने नामदेव के हाथ से बराबर दूध पिया। दूध गर्म था, इससे उनके होठों पर छाले हो गए। घर आने पर जब मां ने पूछा कि दूध कहां गया ? तो बालक नामदेव ने बताया कि दूध तो विट्ठल भगवान ने पी लिया है। इस पर मां को विश्वास नहीं हुआ। जब नामदेव जी ने माता को मूर्ति के सामने जाकर बताया तो उन्होंने देखा कि दूध गर्म था इससे मूर्ति के होठों पर छाले हो गए हैं। पिता के लौटने पर जब उन्हें यह बात मालुम हुई तो वह बड़े खुश हुए कि उनके पुत्र का विट्ठल पर बड़ा प्रेम है। सही है भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है - यो यथा मां प्रपद्यंते तां तथैव भजाम्यहम्। अर्थात् जो मुझे जैसे भजता है, मैं भी उसे वैसे ही भजता हूँ।

संत ज्ञानेश्वर जी जानते थे कि संत नामदेव पर विट्ठल भगवान का बड़ा प्रेम है। वह नामदेव से मिलने आए। नामदेव यद्यपि उनसे 5 वर्ष बड़े थे, फिर भी भक्ति के कारण उन्होंने ज्ञानेश्वर जी का बड़ा आदर किया। उन्हें साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। ज्ञानेश्वर जी ने उन्हें गले से लगा लिया एवं निवेदन किया कि आप पर विट्ठल भगवान की बड़ी कृपा है। आप मेरे साथ फिर से यात्रा चलिए। नामदेव जी इसके लिए राजी नहीं हुए। उन्होंने कहा कि-भगवान विट्ठल को छोड़कर मैं कहीं नहीं जा सकता। जब संत ज्ञानेश्वर जी

अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति, कोटा

गुजरात प्रान्तीय पदाधिकारियों से सम्मान प्राप्त करते हुए स्व.श्री भगवान भाई के सुपुत्र श्री धवल भाई सामरिया

DOB : 10-03-1953
DOD : 26-11-2020

वरिष्ठ समाज सेवी

स्व.श्री भगवान भाई सामरिया

(अहमदाबाद) को उनकी उल्लेखनीय समाज सेवाओं के फलस्वरूप मरणोपरान्त राष्ट्रीय छीपा महासभा समिति की ओर से **समाज-रत्न** सम्मान प्रदान किया गया है। दिनांक 28-8-2022 को अहमदाबाद में आयोजित गुजरात प्रांतीय महासभा की बैठक में उनके परिवारजनों ने यह सम्मान ग्रहण किया। सामरिया परिवार के प्रति दोनों महासभाओं की ओर से हार्दिक आभार एवं दिवंगत पुण्यात्मा के श्री चरणों में शत-शत नमन्।

॥ ओम शांति ॥

शुभेच्छु

डॉ. मोहन लाल छीपा अध्यक्ष
मेजर जे.पी. वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष
घनश्याम वर्मा महासचिव

एवं समस्त कार्यकारिणी अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति, कोटा

हार्दिक बधाई एवं दीर्घायु की मंगल कामनाएं

वरिष्ठ समाज सेवी

श्री मदनलाल छीपा (तोनगर्या)

जयपुर को अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति द्वारा दिनांक 30-10-2022 को जयपुर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में **समाज भूषण सम्मान-2022** से सम्मानित किये जाने पर

हार्दिक बधाई एवं दीर्घायु की मंगल कामनाएं

शुभेच्छु

डॉ. मोहन लाल छीपा अध्यक्ष
मेजर जे.पी. वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष
घनश्याम वर्मा महासचिव

श्री मदनलाल छीपा को सम्मानित करते हुए मेजर जे.पी. वर्मा, श्री घनश्याम वर्मा एवं श्रीराम सोपरा

एवं समस्त कार्यकारिणी अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति, कोटा

अवार्ड प्रायोजक : मेजर जे.पी. वर्मा, शौर्य चक्र विजेता
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रांतीय अध्यक्ष, गुजरात प्रा. छीपा महासभा

नूतन गृह प्रवेश पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं

श्री राजेन्द्र चित्तौड़ा पुत्र स्व.श्री श्याम लाल चित्तौड़ा (कोटा) को कोटा (राज.) में

दि. 2 दिसम्बर 2022 को नूतन गृह प्रवेश करने पर **हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं**

चि. सिद्धार्थ

जन्म तिथि : 28-9-1993
लम्बाई : 5'-9''
योग्यता : B.Tech. (CS), MS (CS)
जॉब : Sr. Software Er. in Amazon, USA

राजेन्द्र-भारती

दोनों के गौत्र निषेध - चित्तौड़ा, सोपरा, पटवा, गोठरवाल

डॉ. पलक

जन्म तिथि : 25-8-1996
लम्बाई : 5'-3''
योग्यता : B.D.S.
जॉब : प्राइवेट प्रेक्टिस (कोटा में)

शुभेच्छु :

राजेन्द्र चित्तौड़ा-श्रीमती भारती
एवं समस्त चित्तौड़ा व सोपरा परिवार

निवास - 105, रॉयल पार्क, रायपुरा, कोटा (राज.) मो. 9998957073, 9662052073, +966542429118

ने भगवान विट्ठल से प्रार्थना की, तब भगवान विट्ठल ने बोला कि नामा बड़ा भोला है। तुम सब उसका ध्यान रखना। यद्यपि संत ज्ञानेश्वर जी नामदेव जी का पूरा ध्यान रखते थे, परंतु नामदेव जी का मन विट्ठल जी के बिना नहीं लगता था। अत: वह कुछ दिन बाद पुन: भगवान विट्ठल की सेवा में आ गए।

एक बार की घटना है कि यात्रा में नामदेव जी ने भोजन हेतु दाल बाटी बनाई। वह किसी काम से इधर-उधर गए। तब तक एक बाटी कुत्ता उठाकर ले गया। नामदेव जी ने सोचा कि विलंब हो गया है, भगवान को भूख लगी है। अत: भगवान विट्ठल स्वयं भूख के कारण बिना घी की बाटी लिए जा रहे हैं। नामदेव जी घी की कटोरी लेकर कुत्ते के पीछे-पीछे दौड़े और बोलने लगे कि- भगवन! बिना चुपड़ी हुई बाटी कैसे खाओगे? घी लगवा लो। भक्तों की लाज रखने के लिए भगवान उस कुत्ते में से ही प्रकट हुए और उन्होंने नामदेव जी के हाथ से घी लगी हुई बाटी खाई।

एक बार नामदेव जी को किसी गांव के एक सुनसान घर में रुकना पड़ा। गांव वाले मना कर रहे थे कि इस घर में भूत रहता है। आप यहां ना रुकें, परंतु नामदेव जी कहां मानने वाले थे। वह तो सब में ईश्वर का दर्शन करते थे। अत: वह वहीं रूके। आधी रात को जब भूत आया तो नामदेव जी उसे ईश्वर का ही रूप समझकर नृत्य करने लगे और गाने लगे-

भले पधारे लंबक नाथ, धरती पांव स्वर्ग तक माथा जोजन भर के लंबे हाथ। शिव सनकादी पार न पावे, अगणित साज सजाएं साथ। नामदेव के तुम्हीं स्वामी, की जै प्रभु जी मोहि सनाथ॥

भला जहां इतने बड़े संत रुके हों, वहां भूत आदि कैसे रुकेंगे। वहां तो चतुर्भुज विष्णु भगवान ही थे, जिन्होंने पंढरी के रूप में नामदेव को दर्शन दिए। इस प्रकार हम देखते हैं कि संत नामदेव जी भगवान विट्ठल के परम प्रेमी भक्त थे, जो सब में ईश्वर के दर्शन करते थे। जो सब जगह भगवान वासुदेव को ही देखता है, ऐसा महात्मा मिलना बहुत दुर्लभ है। बहुत जन्मों के बाद ऐसे महात्मा के दर्शन हो जाते हैं। सच में नामदेव जी ऐसे ही संत महात्मा थे।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है-

बहूनां जन्मनामन्ते ज्ञानवानन्मां प्रपद्यंते।
वासुदेव: सर्वमिति स महात्मा सुदुर्लभ :॥7/9॥

नामदेव जी को एक बार भगवान ने स्वप्न में आदेश दिया कि वह विसोबा से दीक्षा ले। नामदेव जी जब इनके पास आए तो यह एक मंदिर में शिवलिंग पर पैर फैलाए लेटे थे। नामदेव को इससे बड़ा आश्चर्य हुआ। नामदेव जी ने उनके पैर हटाकर नीचे जमीन पर रखें, परंतु वहां भूमि पर दूसरा शिवलिंग प्रकट हो गया। इससे नामदेव जी समझ गए कि ईश्वर सब जगह है। वह गुरुदेव के चरणों में गिर पड़े। नामदेव जी ने अपने अभंगों में इनकी बड़ी महिमा गाई है।

नामदेव जी के पिता शिंपी (छीपा, छीपी, दर्जी) जाति के थे। जाति प्रथा अनुसार इनका विवाह गोविंद सेठ की कन्या राजाई के साथ हुआ था। इनकी पत्नी तथा माता चाहती थी कि नामदेव जी पारिवारिक व्यापार में लगे, परंतु इन्होंने तो हरि कीर्तन ही अपना लिया। वह नरसी बामनी गांव छोड़कर पंढरपुर आ गए और भगवान विट्ठल की भक्ति करने लगे। यहां वह संत ज्ञानेश्वर, गोरा कुमार और जनाबाई के संपर्क में आए। संत नामदेव मराठी में प्रेमा भक्ति के अभंग गाते थे।

इनके 2570 मराठी अभंग उपलब्ध हैं। पुणे (महाराष्ट्र) के मराठी के विद्वान डॉ. ज्ञानेश्वर जी तान्दले ने संत नामदेव जी के अभंगों की मराठी में अर्थ सहित व्याख्या लिखी है। यहां इस बात का उल्लेख करना अत्यावश्यक समझता हूँ कि मराठी में इनका हिंदी अनुवाद देवास (मध्य प्रदेश) केसरी अरुण विनायक (सेवानिवृत्त सिविल इंजीनियर) एवं श्री खेमचंद हजारीलाल नामदेव (सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी) ने किया। इंदौर की कु. नित्या पवार संत शिरोमणि नामदेव जी के घर में दासी का कार्य करने वाली जनाबाई के जीवन पर सोनीपत विश्वविद्यालय (हरियाणा) से पीएचडी कर रही है, जो शीघ्र संपूर्ण हो जाएगी।

संत नामदेव जी ने दो यात्राएं की थी। एक संत ज्ञानेश्वर जी के साथ। दूसरी ज्ञानेश्वर जी के समाधि लेने के पश्चात। समाधि लेने के बाद इन्होंने उत्तरी भारत की यात्रा की, जिसमें पंजाब में इन्होंने 18 वर्ष तक पंजाबी में धर्म का प्रचार-प्रसार किया है। इन्होंने पंजाब में मराठी में अपनी शिक्षा दी, जिसका उल्लेख गुरु ग्रंथ साहब में भी आता है। गुरु ग्रंथ साहब में 10 ऐसी शिक्षाऐं हैं, जो नामदेव जी के नाम से ही है। पंजाब में भक्ति का प्रचार प्रसार करने के पश्चात वह पंढरपुर आ गए और 80 वर्ष की अवस्था में आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी संवत 1407 को अपना नश्वर शरीर त्याग दिया।

– बंशीलाल जड़िया
इंदौर
मो.9407436011

❑❑

बगरू : 9 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न

बगरू। श्री नामदेव छीपा समाज सेवा समिति बगरू (जिला जयुपर) द्वारा लक्ष्मीनारायण कृषि फार्म हाउस में 9 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार पूर्ण विधि विधान से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अध्यक्ष श्री श्रवण लाल उदयवाल एवं महामंत्री श्री हनुमान सहाय जाजपुरा ने बताया कि कार्यक्रम के एक दिन पूर्व कलश यात्रा, महिला संगीत एवं नामदेव संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जगदीश परिहार सूरत रहे। विशिष्ठ अतिथि राज. प्रांतीय अध्यक्ष जगदीश श्रेष्ठी एवं अन्य गणमान्य समाजबंधु रहे। चार नवम्बर 2022 को सामूहिक विवाह सम्मलेन से पूर्व निकासी में लगभग तीन हजार से ज्यादा समाज बंधुओं ने एक किलोमीटर की यात्रा तय की। निकासी के पश्चात् वर-वधुओं का सभी समाजबंधुओं के समक्ष वर माला का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके बाद पाणिग्रहण संस्कार पूर्ण रीति रिवाज के साथ सम्पन्न हुआ। सायंकाल आशीर्वाद समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि अनुराग रूणवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा.ना.टां. क्ष. महासभा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मालूराम मीणा चैयरमैन नगरपालिका बगरू ने की। विशिष्ठ अतिथि राजेन्द्र कुमार छीपा (दिल्ली) एवं सांवरिया छीपा (सम्पादक नामदेव युग) थे। ❑❑

संत नामदेव की 752 वीं जयन्ती : अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार सम्पन्न

-: संत नामदेव के विचार-दर्शन की वर्तमान में प्रांसगिकता :-

जयपुर। संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की 752 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में विगत 4 से 10 नवम्बर 2022 तक आयोजित नामदेव जयंती समारोह सप्ताह के अंतिम दिन 10 नवम्बर को गूगल मीट लिंक पर ऑनलाईन अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। अ.भा. श्री नामदेव छीपा महासभा समिति एवं अ.भा. नामदेव टांक-क्षत्रीय महासभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस वेबीनार में संत नामदेव पर देश के विद्वान वक्ताओं ने सहभागिता प्रदान की। राष्ट्रीय छीपा महासभा के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा की अध्यक्षता में आयोजित वेबीनार का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अभंग की प्रस्तुति से किया गया। टांक क्षत्रीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग रूणवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने नामदेव जयन्ती समारोह सप्ताह के दौरान देशभर में आयोजित हुए विविध कार्यक्रमों की जानकारी दी।

वेबीनार में डॉ. अंबेडकर केन्द्रीय विश्व विद्यालय लखनऊ के कुलाधिपति प्रो. प्रकाश बरतूनिया, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के कुलाधिपति प्रो. हर महिंदर सिंह बेदी, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में हिन्दी विभाग के डीन प्रो. एन.के. पाण्डेय, भोपाल के साहित्य मनीषी प्रो. देवेन्द्र दीपक, शिवाजी महाविद्यालय परभणी (महाराष्ट्र) के प्रोफेसर डॉ. संजय संपतराव जाधव, केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के सह प्राध्यापक डॉ. अप्पा साहेब जगदले गोरक्ष, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) की शिक्षिका व लेखिका मंजू श्री गोखले तथा जर्मनी के श्री संतोष तोखी एवं विलासपुर के सहायक प्राध्यापक प्रो. डॉ. संतोष वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पद्मश्री प्रो. हरमहिन्दर सिंह बेदी (धर्मशाला) ने कहा कि-भारतवर्ष की सात शताब्दियों पर पुर्नविचार करना तथा उनके योगदान की आज के संदर्भ में क्या प्रासंगिकता है, इस पर भी मैं विचार करना चाहूंगा। आज दक्षिण एशिया के देश भगत नामदेव जी की वाणी का अध्ययन कर रहे हैं। वे अपनी संस्कृति, अपनी विरासत और अपने अतीत की चिंतन धारा को नामदेव जी की वाणी के साथ जोड़कर उन पर पुनर्विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। दक्षिण एशिया के देशों में वहां के समाजशास्त्री गुरूग्रन्थ साहिब में संकलित नामदेव जी की वाणी को अपनी संस्कृति से जोड़कर देख रहे हैं। यहां पर बैठे हुए हम नामदेव जी के महत्व को नहीं पहचान सकते। आप देखिये कि दक्षिण एशिया के देशों में जो पाठ्यक्रम तैयार होते है, उनमें तीन संतो की वाणी के संकलन को अपनी-अपनी भाषाओं में देकर वहां की युवा पीढ़ी के साथ भारतीय संस्कृति को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कबीर साहब, संत नामदेव जी और श्री गुरू नानकदेव जी इन तीन बड़े महापुरूषों की वाणी का अध्ययन साउथ एशिया के देशों में हो रहा है। मुझे लगता है कि संत नामदेव जी की वाणी का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ बहुत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने भारत की जिन पोथियों को, जिन संतों को तथा जिन

महान् महापुरूषों की विरासत को विश्व की विरासत माना है, उनमें भारत के लगभग 30 बड़े व्यक्तियों के नाम हैं। भारत की संत परंपरा को रेखांकित किया गया है। आप देखिये संत नामदेव जी के नाम का उल्लेख विश्व विरासत की पोथियों और महापुरूषों के उस संकलन में किया गया है जिस संकलन के आधार पर एशिया के देश अपने देशों का इतिहास लिख रहे हैं। मुझे लगता है कि सबसे पहले जो प्रासंगिकता है, वह संत नामदेव जी की वाणी का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ का होना है, जो हमें भूलना नहीं चाहिए।

डॉ. प्रकाश बरतूनिया (लखनऊ) ने कहा कि- सामाजिक समरसता के प्रणेता संत के रूप में नामदेव जी बहुत अग्रणी एवं वरिष्ठ संत हैं। जब हम देखते हैं तो पाते हैं कि जितने भी संत हुए, उनमें उनका स्थान बहुत आगे है और वरिष्ठता की दृष्टि से भी बहुत आगे है। संत नामदेव ने ऐसी बहुत सी बाते कही हैं, जो दूसरे संतो से सुनने को नही मिली। उन्होंने भगवान और भक्त को ग्रन्थों और मंदिरो से निकाल कर जन-जन तक पहुंचाया और भक्ति का भी सरलीकरण किया। उनका कहना है कि आप अपना जो भी काम करते हो, गृहस्थ के काम करते हो, रूटिन के काम करते हो, उनमें से केवल 2 मिनिट का समय निकाल कर भगवान को याद कर लो, यही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। उन्होंने उस भक्ति को पूरे देश में , बस्तियों में, आम लोगो में, गरीब लोगों में तथा जन-जन तक पहुंचाया। इसीलिये आज पूरे देश में मान-सम्मान होता है। संत नामदेव जी ने देश की एकता और अखण्डता की दृष्टि से भी पूरे देश में प्रवास किये, भ्रमण किये और क्षेत्रवाद से उठकर काम किया। उन्होंने एकता, अखण्डता और सामाजिक समरसता की तो देश में गंगा ही बहा दी।

डॉ. संजय जाधव संपतराव (परभणी) ने कहा कि-महापुरूषों के जीवन चरित्रों, उनके विचारों, उनके दर्शन व मार्गदर्शन को हम क्यों स्मरण करते है?आखिर क्या ऐसी वजह है कि हम आज उनकी 752 वीं जयंती मना रहे हैं। 752 वें साल से नामदेव जी हमारे अंत:करण में , हमारे मस्तिष्क में, हमारे विचारों में हैं। हम उनको आदर्श मानते हैं। हम उनको प्रेरणापुन्ज मानते हैं। ऐसी कौन सी शक्ति है, ऐसा कौन सा विचार है, जिसकी थोड़ी सी जांच पड़ताल करेंगे तो निर्विवाद रूप से एक बात मुझे समझ में आती है। एक कहावत है जब पानी बहता है तो पानी के बहाव में अक्सर निर्जीव चीज होती है। वह किनारे पर आ जाती है और सजीव चीजें प्रवाह के साथ बहती रहती है। मुझे लगता है कि संत नामदेव जी के विचार ऐसे सजीव विचार हैं जो काल के प्रवाह में हम तक आज भी प्रवाहित हैं। यही नामदेव जी की सच्ची प्रासंगिकता है। 13 वीं शताब्दी से लेकर आज 21 वीं शताब्दी तक भले ही वातावरण परिवर्तित हुआ होगा, भले ही कुछ चीजें बदली होंगी, उस समय टेक्नोलॉजी नहीं थी, सूचना नहीं थी, लेकिन आज बहुत सारा परिवर्तन हो गया है, जिसे हम आधुनिकता कह सकते हैं। इस प्रवाह में हम अपना जीवन यापन कर रहे हैं। आखिर आज भी संत नामदेव जी के विचारों की उतनी ही प्रासंगिकता है, जितनी उस समय थी, क्योंकि मनुष्य की परिस्थितियां बदल सकती है, लेकिन प्रवृतियां नहीं। मुझे लगता है

विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं मंगल कामनाएं

चि. कुशाग्र राय

सुपौत्र : स्व.श्री मोहनलाल-स्व.श्रीमती प्रेमबाई
सुपुत्र : श्री त्रिलोक राय-श्रीमती उमादेवी
निवासी: कोटा (राज.)

का

शुभ विवाह

सौ.कां. रेनुका

सुपौत्री : श्री रामपाल सिंह-स्व.श्रीमती सिया कंकण
सुपुत्री- श्री जयपाल सिंह-श्रीमती हेमा दूनीवाल
निवासी: जयपुर (राज.)

दिनांक 4 दिसम्बर 2022 जयपुर में सम्पन्न होने पर वर-वधु को हार्दिक बधाई
शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएं

शुभेच्छु

नन्दलाल दोसाया-श्रीमती गीता (दादा-दादी),
राकेश भारतीय-श्रीमती मधुमति (ताऊजी-ताईजी)
त्रिलोक राय-श्रीमती उमा देवी (पापा-मम्मी)
ममता-हरिओम (बुआ-फूफाजी),
ओजस्वी-अनामिका (चाचा-चाची),
डॉ. भावेश-ईना, निशान्त-पारूल (भैया-भाभी),
डॉ. हर्षिता राय (बहिन),
कैलाश कुम्हारिया-श्रीमती संतोष,
हरि शंकर-श्रीमती सुनीता (मामा-मामी)
कमलेश (मामाजी)
पुरुषोत्तम डिग्गीवाल-श्रीमती आशा (मौसाजी-मौसीजी)
एवं समस्त डिग्गीवाल परिवार

निवास : 2-घ-5, दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा (राज.)
मो. 9967532966, 9950332723

हार्दिक बधाई एवं मंगल शुभकामनाएं

डॉ. अभिषेक नरेश भाई सरावगी

को गुजरात से MBBS पूर्ण कर मेडीकल ऑफिसर नियुक्त होने
तथा MDIMS में अध्ययनरत रहने पर हार्दिक बधाई
तथा इन्हीं की बहिन ...

डॉ. अभिषेक नरेश भाई सरावगी
DOB: 13-12-1999

कु. दीप्ति नरेश भाई सरावगी

को B.Pharma पूर्ण करने पर

कु. दीप्ति नरेश भाई सरावगी
B. Pharma
DOB: 15-02-2002

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

धर्मीचंद रंगलाल सरावगी-स्व. शकुंतला देवी (दादा-दादी)
नरेश भाई धर्मीचंद- श्रीमती भाग्य देवी (टीना) (पापा-मम्मी)
स्व. श्री दीपक भाई धर्मीचंद-श्रीमती प्रेम देवी (ताऊजी-ताईजी)
कपिल दीपक भाई सरावगी-श्रीमती मित्तल देवी (भाई-भाभी)
प्रकाश भाई धर्मीचन्द-श्रीमती पिंकी देवी (ताऊजी-ताई),
गिरीश, हिमांशु (भ्राता) एवं समस्त सरावगी परिवार
ग्राम लीड़ी वाले (अजमेर)

निवास: M-101 ब्ल्यू आइरिश, एसपी रिंग रोड़, वस्त्राल, अहमदाबाद (गुजरात)
मो.: 9374233759, 9510857708

उस समय मनुष्य की जो प्रवृतियां थी, वह आज भी हैं। उस समय मनुष्य विकृत्तियों से मुक्त था, आज विकृत्तियां बढ़ गई हैं। इसलिये मुझे लगता है कि संत शिरोमणि नामदेव जी के विचारों की आज भी नितांत जरूरत है।

वेबीनार में डॉ. एन.के. पाण्डेय (जयपुर) ने कहा कि– हिन्दी सहित्य में आदिकाल को और पीछे 1300 वर्षो तक ले जाते हैं। कुछ विद्वान उसे नहीं मानते हैं, लेकिन शुरूआत वहां से करें, जहां से प्रामाणिकता मिलती है। 13 वीं शताब्दी का समय नामदेव जी का है, जहां से हिन्दी की सर्वाधिक प्रामाणिक रचनाऐं प्राप्त होने लगी हैं। युग की आवश्यकता यह है कि हम जाति, भाषा और प्रांत के बंधनों को तोड़कर ऊपर उठें, संगठन में एकत्व लायें और भूलकर भी मुख पर जाति, भाषा व प्रांत का नाम ना हो। स्वतंत्रता के पश्चात राज्य बने, प्रशासन की ईकाइयां बनी और इन ईकाइयों को भी बहुत से लोगों ने देश समझ रखा था। जाति, भाषा और प्रांत के बंधनों को तोड़कर 750 वर्ष पीछे जायें तो नामदेव जी कोई अवतार नहीं है। सामान्य परिवार में उत्पन्न हुआ व्यक्ति अपने सुकृतों से कितना ऊँचा उठ सकता है, यह नामदेव जी के जीवन को देखकर लगता है। किंवदन्तियां और चमत्कार उनके बहुत हैं। यह भ्रम है कि प्रभु की कृपा होती है तो वाणी में वह ताकत आ जाती है और चमत्कार दिखते हैं। हाथों के स्पर्श से चमत्कार दिखता है। उस चमत्कार की कोई साधना नहीं करनी पड़ती। यह आकस्मिक नही हैं कि 20–21 वर्ष की उम्र में नामदेव जी का ज्ञानेश्वर से संबंध होता है। अपने समय के महान् पंडित ज्ञानेश्वर जी छिंपी नामदेव जी का चरण स्पर्श करते हैं। यह अस्वाभाविक नहीं है। यह साधुता की पराकाष्ठा है।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि मनुष्य के भीतर जो 10 प्रकार के दोष दिखलाई पड़ते हैं, वो दसों दोष नामदेव जी में नहीं थे। किसी भी प्रकार के अपराध नामदेव जी को छू भी नहीं पाये, क्योंकि वह निर्दोष संत थे, पारिवारिक संत थे। जो निर्दोषता के साथ जीवन को जीये और पूरा परिवार संत परंपरा में दीक्षित हो जाये, ऐसे संत बहुत ही कम दिखाई देते हैं। प्रत्येक जीव में, चराचर में जो उसी एक ब्रह्म को देखता हो, उसे संत नामदेव कहते हैं। संतत्व का अर्थ है ज्ञान का, त्याग का, शुचिता का, समर्पण का, पुरूषार्थ का, असंग्रह का। सत्य का बल है, धर्म का तप है और यह तप नामदेव जी ने अर्जित किया। अपना व्यावसायिक कर्म और श्रम करते हुए, बीरदास जी, रैदास जी, दादूदयाल जी, जुलाहा जी, सेन जी, सघना जी आदि संत विषम परिस्थितियों में नामदेव जी को याद करते हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में वरिष्ठता के क्रम में भी नामदेव जी को अग्रणी रखा और कहा कि नामदेव जी की भक्ति से भगवान विट्ठल स्वयं प्रकट होते हैं। उनसे साक्षात्कार करते हैं। इन संतो की परंपरा और रचनाऐं कहती हैं कि नामदेव जी को मोक्ष की प्राप्ति हुई। हिन्दी साहित्यकारों ने लिखा है कि नामदेव जी सगुण थे और निर्गुण की उपासना करते थे। सगुण और निर्गुण के विवाद को निपटाने की कड़ी संत शिरोमणि नामदेव ही हैं।

विदुषी श्रीमती मंजूश्री गोखले (कोल्हापुर) ने कहा कि – संत नामदेव 13 वीं शताब्दी के समय के महत्वपूर्ण संत हैं। यदि वर्तमान में

उनकी प्रासंगिकता के बारे में बोला जाये तो मैं यह बताना चाहूंगी कि एक सामान्य शिंपी के घर में उनका जन्म हुआ। वह ना तो किसी राजा के बेटे हैं, ना किसी सरदार के भाई। कुछ भी नही हैं, फिर भी आज हम उनकी 752 वीं जयंती मना रहे हैं। आठ सौ साल हो गये, अभी तक हम उनके विचार, उनकी वाणी को याद करते हैं। ये उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि है। नामदेव जी की और हमारी हिन्दू धर्म-संस्कृति की। हम कहते हैं कि हमारे यहां यह परंपरा है, हमारा कुल सूर्यकुल है, हमारा कुल चंद्रकुल है। किसी का कुल नहीं रहता है, लेकिन सभी संतो का कुल आज भी हमारे सामने है। बड़े ही भक्ति भाव से उनका नाम लेते है क्योंकि उनके कुल ने ऐसा कोई पराक्रम नहीं किया है, ना कोई जागीदार है , ना किसी भूभाग को उन्होंने अपने भूभाग में जोड़ा है। उन्होंने जोड़ा है तो एक-दूसरे के मन को एक दूसरे के साथ जोड़ा है और इसी कारण हम बड़े ही भक्तिभाव से उनका नाम लेते है।

श्रीमती मंजूश्री गोखले कहा कि संत नामदेव ने अपनी भक्ति, अपनी रचनाओं और अपनी विशाल दृष्टि से ही संत शिरोमणि का खिताब पाया और यही उनकी सबसे बड़ी महानता है। भगवान विट्ठल के समझाने से जब ज्ञानेश्वर जी के साथ नामदेव जी तीर्थयात्रा पर निकले तो उनका मानवीय नजरिया ही बदल गया। उन्हें यह एहसास हुआ कि भक्ति के माध्यम से हम धर्म और संस्कृति की रक्षा कर सकते हैं। साथ ही लोगो के अंतर्मन को भी जोड़ सकते हैं। इसी भक्ति ने उनका और भारतवर्ष का, हम सबको पूरा जीवन अलग नजरिये से देखने को मजबूर किया। इसी भक्ति से उनका भगवान विट्ठल पर अधिकार भी हुआ। मंजूश्री गोखले ने बताया कि मराठी भाषा में उनकी 40 किताबें उपन्यास विधा में प्रकाशित हो चुकी है। संत नामदेव पर भी उन्होंने उपन्यास लिखा है, जो मराठी भाषा में भक्तिचंद्र के नाम से उपलब्ध है।

साहित्यकार, शिक्षाविद्, एवं संस्कृतिकर्मी डॉ देवेंद्र दीपक (भोपाल) ने कहा कि आज से 752 साल पहले भक्ति के क्षेत्र में अपनी सक्रिय और सार्थक उपस्थिति दर्ज कराने वाले संत शिरोमणि नाम देव महाराज को प्रणाम करता हूँ। सम्पूर्ण भारत का भक्ति साहित्य आध्यात्मिक लोकतंत्र का अनौपचारिक संविधान है। इस काम में नामदेव महाराज की भी अपनी एक भूमिका है। उनकी भूमिका को समझने के लिए काल को सामने रखना होगा, जो कुछ भक्तों और संतो ने बाद में रेखांकित किया उसकी ओर उन्होंने बहुत पहले ही संकेत कर दिया था। मंदिर में प्रवेश से जुड़ी नामदेव महाराज की घटना इस बात का प्रमाण है कि हमारे समाज में पाखंड, ऊंच-नीच और छुआछूत का रोग कितना पुराना है। नामदेव महाराज दर्जी थे। दर्जी के पट पर कपड़ा, इंचटेप, कैंची, सुई और धागा और सामने वह व्यक्ति जिसके लिए वस्त्र तैयार होना है। इस सबको मिलाकर देखें और नामदेव महाराज की प्रासंगिता पर विचार करिए। जीवन कपड़ा है, इंचटेप जीवन मूल्य। कैंची संशोधन। सुई-धागा साधन । नामदेव ने अपने समय के समाज के जीवन - कपड़े को देखा, जीवन मूल्यों के इंचटेप से उसका माप लिया ताकि उसके योग्य वस्त्र बन सके। माप के अनुरुप कैंची से कटाई और सुई धागा तो

साधन है, वस्त्र निर्मिति के साधन है । नामदेव जी की समूची वाणी और समूचे जीवन कर्म का इस आधार पर अध्ययन करने की आवश्यकता है। हर वाणी में, हर काम में नामदेव महाराज किसी न किसी रूप में एक महान धार्मिक, राष्ट्रीय, सामाजिक दर्जी के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते है । लोहे की सुई और कपास का धागा एक दिन सोने की सुई और चांदी का धागा कैसे बन गया? नामदेव महाराज स्वयं इसका सूत्र बताते हैं-सुइने की सुई, रूपे का धागा नामे का चित हरि संग लागा। सूत्र है – मन में राम और हाथ से काम! मन और मुख में राम-भाव रखकर किये गये काम से जो कमाई होती है, वह नेक कमाई है। हक और हलाल। नामदेव महाराज का संदेश लाभ शुभ हो, लेकिन शुभ्र भी हो। मेहनत से कमाओ, संयम से खर्च करो और प्रेम से दान करो! नामदेव जी की भक्ति अद्‌भुत है -निर्गुण कहूँ तो सगुण और यदि सगुण कहूँ तो निर्गुण! उनकी भक्ति द्विआभा भक्ति है। सगुण- निर्गुण के ताने बाने से बनी चदरिया। नामदेव जी के निकट नाम की महिमा अद्‌भुत है-

जौ बोलो तो रामहि राम। सच यह है कि नामदेव ॥ महाराज के लि राम नाम धोबी की शिलाहै। नामदेव महाराज की एक पंक्ति हम हिंदू और मुसलमान दोनों के लिए-हिंदू अंधा तुरकौ काना, दवौ ते ज्ञानी सयाना ।

डॉ. अप्पा साहेब जगदाले सहायक प्रोफेसर (हिन्दी विभाग) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) ने कहा कि संत नामदेव के काव्य की वर्तमान समय में समाज को आवश्यकता हैं। समाज में मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा है, जिससे हमारी जीवन शैली में अवरोध निर्माण होकर हम अपने कर्तव्यबोध से दिशाहीन होते जा रहे हैं। वर्तमान समाज की परिस्थिति को देखने से विदित होता है कि संत नामदेव के विचारों की समाज को महती आवश्यकता है। संत नामदेव की यात्राओं ने बहुत हद तक समाज का जनमानस बदलने का प्रयास किया था। इसलिए नामदेव अपने काव्य में बार-बार जातिभेद के जकड़न की बात कहते हैं।

बिलासपुर के प्रो. संतोष वर्मा ने कहा कि आज मुझे कई अच्छे उदाहरण सुनने को मिले हैं। बहुत अच्छा आयोजन किया छीपा एवं टांक महासभाओं ने। दोनों संस्थाओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

वेबीनार में संतोष तोखी (जर्मनी) ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे यह वेबीनार बहुत उपयोगी लगी है। एक सवाल उठता है मेरे मन में कि इतनी चीजें जानने के बाद भी हम इन्हें कैसे जीवन में काम में लें। इन सब बातों को कैसे व्यावहारिक रूप में लागू कर सकते हैं?

वेबीनार के अंत में प्रो. मोहन लाल छीपा, अनुराग रूणवाल तथा घनश्याम वर्मा (राष्ट्रीय महामंत्री) ने सभी वक्ताओं एवं संभागियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्रस्तुति :- **घनश्याम वर्मा, कोटा**
- आशीष नामदेव, इंदौर

गृहस्थी को संवारने और खुशहाल बनाने के लिए इन मंत्रों को अपने जीवन में उतारें.....

बहू-बेटियों के लिए अनमोल सीख

'विवाह' लड़का-लड़की दोनों के जीवन की नई शुरूआत होती है। कई अनुभवों से गुजरकर इस रिश्ते को निभाने की सीख मिलती है। पहले से गृहस्थी संभाल रही और वे जो सात फेरों में बंधने जा रही हैं, उनके लिए रिश्तों से जुड़ी कुछ काम की बातें.....

● 50-50 का मंत्र अपनाएं-

शादी के बाद सबसे खास रिश्ता पति के साथ होता है। इसलिए इस पर ध्यान देना जरूरी है। शादी के बाद अपने पति पर हावी होने की कोशिश करना या उन्हें अपने हिसाब से बदलने की जिद रिश्तों में ठीक नहीं माना जाता। याद रखें कि आपके पति की भी अपनी एक अलग सोच है। इसलिए उनकी भावनाओं का सम्मान करें और उन्हें पूरा स्पेस दें। गृहस्थी की गाड़ी दोनों की कोशिशों से ही चलती है। लक्ष्य 100 फीसदी है तो दोनों को 50-50 योगदान देना चाहिए। उनकी खूबियों और कमियों को खुले दिल से स्वीकारें। सभी निर्णयों में उन्हें शामिल करें।

● हर रिश्ते को थोड़ा समय दें -

कई लड़कियां ससुराल जाते ही परिवार के सदस्यों के बारे में धारणाएं बनाने लगती हैं, ऐसा करना गलत होगा। अगर आप ऐसा करेंगी तो रिश्तों में दूरियां आएंगी। दिल-दिमाग खुले रखकर परिवार के साथ जुड़ने की कोशिश करें। किसी के साथ कॉम्पिटिशन ना करें। सबके साथ मिलकर परिवार का दिल जीतें। पति के सामने उनके परिवार की बुराइयां ना करें।

● यह भी रखें ख्याल -

शुरूआती दिनों में कम बोलने और ज्यादा सुनने का मंत्र अपनाएं। सोच-समझकर बोलें। आपकी कही गई कोई बात किसी को बुरी लग सकती है।

● सहनशीलता, शांत स्वभाव और धैर्य -

जैसे कुछ गुणों को अपने चरित्र में शामिल करें। आप अगर आत्मनिर्भर हैं तो भी आपको कई जगह झुकना पड़ सकता है। इसमें ईगो को आडे ना आने दें। सासू मां से बिना पूछे दोस्तों के साथ पार्टी में जाना, परिवार को बिना बताए धन निवेश जैसी छोटी-छोटी बातें रिश्तों में कड़वाहट घोलती है। ऐसी गलती ना करें।

● मायके और ससुराल को अलग-अलग रखें -

बड़े-बुजुर्गों का कहना है कि परिवार वही सुखी होता है जहां कम लोगों का दखल हो। इस सीख को अपनाएं और अपने ससुराल की बातें मायके लेकर ना जाएं। शादी के बाद शुरूआती कुछ दिन बार-बार मायके जाने का मन करता है, लेकिन इस पर नियंत्रण रखें। ऐसा करने से आप नए परिवार में घुल मिल नहीं सकेंगी।

● आखिर में सबसे जरूरी सीख-

शादी का मतलब अपने सपनों और लक्ष्यों को भूल जाना नहीं है। परिवार और पति के साथ मिलकर अपनी इच्छाओं को भी पूरा करें।

❑❑

विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं मंगल कामनाएं

आयु. ज्योत्सना नामा

सुपौत्री : स्व.श्री बजरंग लाल बरग-स्व.श्रीमती चतर बाई
सुपुत्री : श्री जसवन्त नामा-श्रीमती सुशीला नामा
निवासीः केशवराय पाटन (बून्दी) राज.

का

चि. हेमंत कुमार नामा

सुपौत्र : श्री मांगीलाल जी डीडोत-श्रीमती बसंती बाई
सुपुत्र- श्री महावीर प्रसाद नामा-श्रीमती सरोज
निवासीः केशवराय पाटन (बून्दी) राज.

शुभ विवाह

दिनांक 28 नवम्बर 2021 को केशवराय पाटन जिला बून्दी (राज.) में सम्पन्न होने पर
वर-वधु को हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएँ

ज्योत्सना
M.Tech. in VLSI
& Embedded System
NIT Rourkela (Odisa)
PE-II Candece India Pvt. Ltd. Bangalore

शुभेच्छु

भारत नामा (सुपुत्र)
MBBS (4th Year)
मेडिकल कॉलेज
मैंगलोर (कर्नाटक)

भारत नामा
DOB: 22-08-1999

हेमन्त कुमार नामा
M.Tech. in
Applied Mechanics
IIT Delhi
Deputy Manager in
Hero Motocorp, JPR

निवास : वार्ड नं. 7, शंकर कॉलोनी, केशवरायपाटन, जिला बून्दी (राज.)
मो. 9460594707

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

चि. बृजराज छीपा

पुत्र श्री सीताराम छीपा, निवासी टोडाभीम (राज.) को आर्यावर्त बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर नियुक्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं

चि. बृजराज छीपा

DOB : 29-3-1993

B.Tech (Civil)

शुभेच्छु :

कल्याण प्रसाद-श्रीमती अंगूरी देवी (दादा-दादी), सीताराम-श्रीमती ममता देवी (पापा-मम्मी), दिलीप कुमार- श्रीमती प्रीति देवी (चाचा-चाची), रोहिताश-श्रीमती भाग्यश्री, लेखराज-श्रीमती मोनिका (बहिन-बहिनोई), राधेश्याम-श्रीमती मुन्ना देवी (नाना-नानी), राहुल, विहान (कानू), परी (भैया-बहिन) एवं समस्त ऐंचारा परिवार, टोडाभीम

प्रतिष्ठान :

मै. परी साड़ी सेन्टर

कपड़े के व्यापारी, टोडाभीम (करौली)

मै. दिलीप क्लॉथ स्टोर

कपड़े के व्यापारी, टोडाभीम (करौली)

निवास: बालाजी रोड़, टोडाभीम, जिला करौली (राज.)

मो.: 9785587242, 9785056772

सकल नामदेव समाज - आज की महती आवश्यकता

समस्त नामदेव समाज आज जिस दोराहे पर खड़ा है, वहां से हमारा समाज सभी मतभेद व निजी स्वार्थ भुलाकर केवल और केवल संगठित होकर माला के मनकों की भांति एक जुटता की राह पर चलकर ही सफलता की कुंजी हासिल कर सकता है। बंधुओं! सफलता हमें बैठे-बिठाए चमत्कार होकर मिल जाए, हमें इस भुलावे में नहीं रहकर प्रत्येक समाज बंधु को, चाहे वे सिलाई करते हों, सरकारी अथवा अपना व्यापार करते हों, मानसिक रूप से तैयार होकर जितना भी समय निकाल सकें, समाजिक संगठन के यज्ञ रूपी हवन में आहूति देने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा।

हमारा समाज संपूर्ण भारत वर्ष में अलग-अलग नामों से पहचान रखता है। जैसे राजस्थान में छींपा व टांक, महाराष्ट्र में शिंपी, मध्यप्रदेश, बुंदेलखंड, महाकौशल, निमाड क्षेत्र में छींपी व नामदेव, पंजाब में छीम्बा, टांक क्षत्रिय सिक्ख, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में रोहिल्ला, गुजरात, सौराष्ट्र, काठियावाड़ में गुजराती दर्जी, जिसमें चिखलीया, कापडिया, हिंगु, गोहिल आदि प्रमुख है। पश्चिम बंगाल में मण्डल दर्जी इत्यादि नामों से पहचाने जाते हैं।

आज देश में व्यापार, सरकारी कार्यालयों और कम्पनियों में निम्न व उच्च पदों पर हमारे समाज के लोग कार्यरत/ सेवारत हैं, किंतु प्रांतीयता भिन्न-भिन्न भाषा और गौत्रों की जानकारी न होने के कारण पास-पास व साथ-साथ में कार्यरत रहकर भी एक -दूसरे से अपरिचित हैं। जैसे गौत्रों की जानकारी न होने से एक कर्नाटक का शेही, एक महाराष्ट्र का बुधकर, एक सरदार कैंथ, एक तेलुगू रंगशाही, एक गुजराती कापड़िया, एक हरियाणवी कोकचा, उत्तराखंड का ऋषि, बुदेलखंड का शाण्डील्य, राजस्थान का तोलम्बिया इत्यादि गौत्रों व देश में फैले समाज की विस्तृत जानकारी न होने के कारण एक ही जाति-बिरादरी के होते हुए भी गैरों की तरह रहते हैं। हमारे समाज के महान संत शिरामणि श्री नामदेवजी महाराज ने अपने अभंगों में गौरव के साथ लिखा है कि मैंने शिंपी कुल में जन्म लिया है तथा महाराष्ट्र के अन्यान्य समाज के लोग चाहे वे ब्राह्मण हों, क्षत्रिय हों या अन्य स्वयं को नामदेवजी का अनुयायी कहने में गर्व की अनुभूति करते हैं।

हमारे नामदेव समाज के भारतवर्ष में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग नामों से ट्रस्ट व संस्थाएं तथा बहुतेरे अखिल भारतीय स्तर के संगठन मौजूद हैं और इन सभी संगठनों ने केवल अपने स्थानीय क्षेत्र के विकास में भले ही भूमिका निभाई हो, लेकिन सम्पूर्ण भारतवर्ष के समाज बंधुओं को एक माला में पिरोने का प्रयास लगभग नहीं के बराबर हुआ है। आज पूरे देश में खासतौर पर लोकतंत्र में अन्य सभी समाज के लोग अपनी एकता का परिचय देते हुए एमपी, एमएलए, प्रमुख, प्रधान, सरपंच, डायरेक्टर, पंच इत्यादि पदों पर आसीन हैं, लेकिन हमारे समाज में एकता ना होने के अभाव में हम कहीं भी राजनीतिक दृष्टि से गिनती में ही नहीं है।

उपरोक्त तथ्यों को मध्यनजर रखते हुए मैं समस्त नामदेव समाज से करबद्ध गुजारिश करता हूँ

कि समय रहते संगठन के ढांचे को यथार्थ रूप देकर समाज को सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र में प्रतिज्ञाबद्ध होकर संस्थापित करावे, अन्यथा आने वाला समय व हमारी भावी पीढ़ी हमें कतई माफ नहीं करेगी। इसका दुष्परिणाम यह भी होगा कि हमारे समाज के उच्च व निम्न सेवारत लोग समाज से कन्नी काटकर अन्यान्य समाजों से शादी विवाह भी करने लगेंगे। इसके लिए हम सभी जिम्मेदार होंगे।

अत: हम सभी नामदेव समाजी चाहे छींपा, टांक, भावसार, रोहिल्ला, ऋषि, नामदेव, नामा अथवा जो भी हों, संपूर्ण भारत वर्ष में सर्वग्राह्य उपनाम तय करें तथा उसी उपनाम को बोलने में प्रत्येक खांप वर्ग का व्यक्ति उसे आत्मसात करे। जैसे छीपा महावीर प्रसाद गहलोत। ऐसा नाम बोलने से पूछने वाला व्यक्ति स्वयं समझेगा कि अमुक व्यक्ति किस समाज का है। साथियों हमारी पहचान प्रथमत: जाति व नाम से ही होगी। इसलिए बंधुओं उठो, जागो और नामदेव समाज के विकास व संगठन के लिए आहूति दें। ऐसी मैं समाज के हर तबके से पूर्ण आशा रखता हूँ। नामदेव जी महाराज हम सब पर कृपा करें।

–नरेन्द्र कुमार गहलोत
श्रीबालाजी (नागौर) राज.
मो. 9828615609

❑❑

सांगानेर : 5 जोड़ों का सामूहिक विवाह संस्कार सम्पन्न

जयपुर। सांगा बाबा की पावन नगरी सांगानेर में श्री नामदेव छीपा समाज सेवा समिति सांगानेर का 21 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन देवउठनी एकादशी को श्री मिथिला शरण सत्संग भवन सांगानेर में बड़े हर्षोल्लास के साथ संम्पन्न हुआ। समिति अध्यक्ष प्रहलाद ऐंचारा ने बताया कि 14 नवम्बर को सुबह 11 बजे निकासी कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. देवेश्वर देव व समिति के शंकरलाल नामा, रमेश (पीपल्दा वाले), महादेव (कैमला वाले), राम दिनेश साथ के द्वारा बारात रवानगी की गई। निकासी बारात सांगा सेतु रोड, राधाबल्लभ मार्ग व सांगानेर के विभिन्न मार्गों से होती हुई वधुओं के जनकपुरी निवास पर पहुंच, जहां विधि विधान से तोरण की रस्म को पूरा किया। इसके बाद पाणिग्रहण संस्कार में यज्ञ वेदी पर सात फेरे आचार्य घनश्याम शर्मा व विद्वान पंडितों द्वारा पांच जोड़ों का विवाह संस्कार सम्पन्न कराया गया।

सायं 5 बजे आशीर्वाद समारोह हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. देवीशंकर मलिक स्पेशलिस्ट सर्जन, समारोह, अध्यक्ष कुंजबिहारी तोणगरिया, सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद ऐंचारा, संयोजक रामस्वरूप गोठवाल, सचिव राम प्रमोद साध, महिला मंडल अध्यक्ष ललिता देवी भातरा, विशिष्ठ अतिथि राधेश्याम बैराठी, रामपाल दूनीवाल, नवल किशोर भगत एवं गणमान्य समाज बंधु थे। इस दौरान सभी अतिथियों को माला पहनाकर साफा व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

सभी वर-वधूओं को मुख्य अतिथि द्वारा विवाह प्रमाण-पत्र देकर उन्हें आशीर्वाद दिया गया। समिति संरक्षक रामस्वरूप गोठरवाल ने बताया कि समाज बंधुओं द्वारा 151 गिफ्ट वर-वधुओं को सप्रेम भेंट दी गई। कलश यात्रा में मुख्य अतिथि सांगानेर के जन सेवक पुष्पेन्द्र भारद्वाज एवं नामदेव समाज के गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे। सभी वर-वधुओं को कन्यादान का समान देकर विदाई की गई। कार्यक्रम के अंत में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रहलाद ऐंचारा ने आने वाले सभी समाज बंधुओं को सम्मेलन में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। ❑❑

'समाज भूषण' श्री मदन लाल छीपा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

जयपुर (राज.) के वरिष्ठ समाज सेवी श्री मदन लाल छीपा (तोनगर्या) को उनकी उल्लेखनीय समाज सेवाओं के लिए अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति द्वारा **समाज भूषण सम्मान 2022** से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान जिला हितकारिणी समिति जयपुर के तत्वावधान में 30 अक्टूबर 2022 को जयपुर में आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह में राष्ट्रीय छीपा महासभा की ओर से प्रदान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय (शिमला) के न्यायाधीश श्री चन्द्र भूषण बारोलिया, अध्यक्ष मेजर जे.पी. वर्मा (वरिष्ठ उपाध्यक्ष - अ.भा. छीपा महासभा), महासचिव - श्री घनश्याम वर्मा (कोटा) तथा जयपुर जिलाध्यक्ष श्रीराम सोपरा ने श्री छीपा को सम्मान स्वरूप माल्यार्पण कर साफा बंधवाया, सांगानेरी उपरना ओढ़ाया तथा **'समाज भूषण'** सम्मान-पत्र भेंट किया। शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री मदनलाल छीपा ने उन्हें सम्मानित किये जाने पर राष्ट्रीय छीपा महासभा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

सामाजिक सेवाएं :- श्री मदन लाल छीपा राजकीय सेवकाल में तथा सेवानिवृत्त के बाद भी सतत् रूप से समाज सेवा के कार्यों में लगे हुए हैं। आप पिछले सात वर्षों से महासभा द्वारा स्थापित राष्ट्रीय शिक्षा निधि समिति के संयोजक का दायित्व निभा रहे हैं। जिला हितकारिणी समिति जयपुर द्वारा स्थापित शिक्षा सहायता कोष के प्रभारी तथा समिति के उपाध्यक्ष भी हैं। आप मेड़तवाल चेरीटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। विट्ठल नामदेव युवा सोसायटी जयपुर के शिक्षा सचिव पद पर 16 वर्षों तक सेवाऐं दी।

मंदिर श्री रघुनाथ जी ट्रस्ट जयपुर में महामंत्री का कार्य किया। प्रांतीय विट्ठल नामदेव छीपा महासभा के कोषाध्यक्ष पद का कार्य भी कर रहे है।

सम्मान :- श्री मदन लाल छीपा को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए राजस्थान सरकार द्वारा तथा कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा अनेक अवसरों पर सम्मानित किया गया है। सन् 2014 में एक अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर राजस्थान के समाज कल्याण मंत्री ने आपको राज्य स्तर पर सम्मानित किया। आल नामदेव इंटरनेशनल संस्था ने आपको 'समाज रत्न' से सम्मानित किया। जयपुर जिला स्तर पर आपको जिला हितकारिणी समिति द्वारा **समाज गौरव सम्मान 2020 एवं गुरूश्री अवार्ड 2021** से नवाजा गया।

अखिल भारतीय छीपा महासभा ने आपको 2021 में समाज के कुशल मार्गदर्शक के रूप में तथा 30 अक्टूबर 2022 को जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में **समाज भूषण सम्मान** से सम्मानित किया।

शेष भाग अगले पृष्ठ पर...

देवास में नामदेव जयन्ती का आयोजन

देवास में संत नामदेव की 752 वीं जयन्ती पूजा आरती कर मनाई गई। समाज बन्धुओं के कुकुम का तिलक लगाया गया। श्री बंशीलाल झड़िया (पूर्व डिप्टी कलक्टर) ने नामदेव जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नामदेव भगवान विट्ठल के परम भक्त थे। उन्हें कई बार विट्ठल भगवान के साक्षात दर्शन दिये। बाल्यावस्था में भगवान ने नामदेव के हाथों से भोजन ग्रहण किया।

कार्यक्रम में श्री खेमचंद नामदेव ने कहा कि नामदेव के अभंगों में से लगभग 300 हिन्दी अभंगों की एक पुस्तिका प्रकाशित करवाई जाकर घर-घर में वितरित की जायेगी। पूर्व महापौर रेखा वर्मा ने सभी महिलाओं तथा पुरूषों का तिलक लगाकर स्वागत अभिनन्दन किया। आरम्भ में अशोक नामदेव, सतीश नामदेव, महेन्द्र नईवाल, के.एस. नामदेव ने दीप

प्रज्ज्वलित किया। इस मौके पर श्री बी.एल. झड़िया का श्रीफल व पुष्पामाला से स्वागत किया गया। अंत में सभी उपस्थित समाज बन्धुओं तथा महिलाओं ने सामूहिक आरती की। संचालन सतीश नामदेव ने किया।

– सतीश नामदेव
देवास, मो. 9826041178

नोट : आयोजन की सचित्र झलक रंगीन पृष्ठों पर.....

पिछले पृष्ठ का शेष.....

इनके अलावा भी आपको कई संस्थाओं ने सम्मानित किया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण संस्थान जयपुर ने कोविड 2020 में वृद्धजन सेवा कोविड 2019 के लिए प्रशंसा पत्र दिए। जयपुर के एसएमएस मेडिकल हॉस्पिटल द्वारा अस्पताल में विशेष सेवाओं के लिए आपको 'विशेष सेवा सम्मान' प्रदान किया गया।

जीवन परिचय :- श्री मदन लाल छीपा का जन्म 4 मई 1946 को स्व. श्री रूप नारायण जी एवं स्व. श्रीमती नारायण देवी के घर ग्राम मनोहरपुर जिला जयपुर में हुआ। माता-पिता के कुशल मार्गदर्शन में आपकी शिक्षा-दीक्षा हुई। आपने अंग्रेजी, इतिहास और भूगोल विषयों में एम.ए. किया। वर्धा से हिन्दी साहित्य में भाषारत्न, बी.एड. तथा एम.एड. किया। आप डिंगल भाषा साहित्य के जानकार भी हैं। आप राजस्थान शिक्षा सेवा के अधिकारी रहे हैं। राजकीय सेवा काल में विभिन्न पदों पर सेवारत रहे। वर्तमान में भरे-पूरे परिवार के साथ जयपुर में निवासरत हैं। अ.भा.नामदेव छीपा महासभा आपकी दीर्घायु एवं कुशलता की मंगलकामना करती है। हार्दिक बधाई।

– घनश्याम वर्मा
कोटा

❑❑

विविध सामाजिक गतिविधियों की सचित्र झलकियाँ

कोटा में आयोजित डाण्डिया महोत्सव की सचित्र झलकियाँ दि. 1-2 अक्टूबर 2022

श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा कोटा : साधारण सभा की सचित्र झलकियाँ दि. 18-12-2022

जयपुर : राष्ट्रीय रंगाई छपाई प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित संगोष्ठी की सचित्र झलकियाँ दि. 14-11-2022

विविध सामाजिक गतिविधियों की सचित्र झलकियाँ

डीग में बलदेव छठ पर आयोजित दाऊजी महाराज के जन्मोत्सव की सचित्र झलकियाँ दि. 2-9-2022

जयपुर: प्रतिभा सम्मान समारोह की सचित्र झलकियाँ दि. 30-10-2022

ब्यावरा : प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की सचित्र झलकियाँ

नामदेव समाज के सम्बन्ध योग्य युवक

1. **डॉ. अनिमेष** /16-07-90/6'-2''/ MBBS / PG (अध्ययनरत) / गौत्र- दीगोदिया, पीलिया, बरग, डोंगरवाल / पता- शांतिलाल नामदेव, **उज्जैन** / मो. 9826088041

2. **रामप्रसाद** / 10-12-93/ 5'-6''/M.A., ITI / RS-CIT)/ प्राईवेट कॉलेज में अध्यापन / स्वयं का ई-मित्र / इन्हीं के अनुज.....

3. **मनीष कुमार** / 21-08-96 / 5'-11''/ M.Com./ एकाउन्टेन्ट / गौत्र- जोशी, धनोपिया, मेड़तवाल, बाकलीवाल / पता- सुरेन्द्र कुमार नामा, **नासिरदा (टोंक-राज.)** / मो. 9001203566

4. **प्रवीण कुमार** /15-12-95/ 5'-8''/ M.A. / प्राईवेट जॉब / गौत्र- नाहर, समेलिया, मोरीवाल, सांखला / पता- सत्य प्रकाश नाहर, कुन्हाड़ी, **कोटा** / मो. 9929885963

5. **गौरीशंकर** / 07-07-93 / 5'-7''/M.A., PGDCA / स्वयं का कम्प्यूटर कार्य / गौत्र -सरावगी, जाजपुरा, नागर, तोनगर्या / पता- प्रकाश चन्द्र नामा, **मसूदा** (अजमेर) / मो. 9468696094

6. **दीपांशु** /26-06-97/ 5'-4'' / B.Tech. / पुणे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर / गौत्र -बाकलीवाल, सरावगी, नागर, राईवाल / पता- ओम प्रकाश बाकलीवाल, **बिजयनगर** (अजमेर) / मो. 9785285393

7. **विमल** / 01-06-92 / 5'-8''/ मांगलिक / B.Tech. (इलेक्ट्रीकल्स) / जयपुर में प्राइवेट कं. सर्विस / गौत्र- बरग, तोनगर्या, हतोनिया, डरेल / पता- सुरेन्द्र नामा, **केशवरायपाटन** (बूंदी-राज.) / मो. 8426976380, 6367679967

8. **अंकित** / 03-10-93/ 5'-4''/ B.A. / प्राईवेट कं. में सर्विस / गौत्र - चिचोतिया, देशमा, आसरमा, बोलिया / पता- जुगल किशोर नामा, केशवपुरा, **कोटा** / मो. 8003518201, 7877836739

9. **विकास** /03-11-93 / 5'-11''/ M. Com., PGDCA / एकाउन्टेन्ट / गौत्र- बरग, आछेरा, बलरिया, पटवा / पता- राजेश नामा, **बूंदी** (राज.) / मो. 8890035094, 9928574883

10. **अमित** / 03-01-87 / 5'-6''/ B.Sc. M.A., B.Ed. / सरकारी अध्यापक / गौत्र - नागर, गोठरवाल / पता- शंकर लाल नामा, ग्राम-मावंडाखुर्द, (नीमकाथाना) **सीकर** (राज.) / मो. **9928250904**

11. **सिद्धार्थ** / 28-09-93 / 5'-9''/ आंशिक मांगलिक / B.Tech (C.S.), M.S. (C.S.) / अमेरीका में प्राईवेट कं. में सीनियर सॉफ्टवेयर डवलपमेन्ट इंजीनियर / गौत्र- चित्तौड़ा, सोपरा, पटवा, गोठरवाल / पता- राजेन्द्र चित्तौड़ा, **कोटा** / मो. 9998957073, 966205073, 966542429118

12. **अभिनव** /19-10-95/ 5'-5''/ B.A., LLB, LLM (Cyber Crime) / गौत्र- बलरिया, खंडेलवाल, तोनगर्या, पिपरिया / पता- भगवान बलरिया (एडवोकेट), **छबड़ा** (राज.) / मो. 9413005275, 9829309077

13. **सागर** / 03-06-96 /5'-11''/ B.A. (Hons) भूगोल / निजी व्यवसाय / गौत्र - दोसाया, समेलिया, तुनगर्या, मेड़तवाल / पता- सुशील कुमार वर्मा, **अजमेर** / मो. 9468755203, 8852037271

14. अजय / 20-11-95 / 5'-9"/ M.A./ थोक वस्त्र विक्रेता / गौत्र - विलासपुरिया, बरग, उदयवाल, गोठानिया / पता- राम विलास नामदेव, छीपाबड़ौद (बारां-राज.) / मो. 8955325221

15. कमलकांत / 17-02-97/5'-5"/ M.Sc., B.Ed. / प्रा. कं. में सर्विस / गौत्र -डिग्गीवाल, पीलिया, जाजपुरा, जोशी / पता- पुरूषोत्तम छीपा, हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) / मो. 6375156799

16. प्रियंक / 17-12-95 / 5'-10"/ B.Sc. (Maths)/ वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर / गौत्र- नागर, धनोपिया, दोसाया, सरसवाल / पता- बालमुकुन्द नागर (एडवोकेट), अजमेर / मो. 9829413497, 7597815983

17. हिमांशु /27-02-97/5'-10"/B.A. / डाक सहायक / इन्हीं के अनुज....

18. जतन / 24-08-99/ 5'-8"/B.Com., C.A. / मुम्बई में प्राईवेट कं. में सर्विस / इन्हीं के अनुज....

19. नमन / 16-6-2001 / 5'-9"/ B.Com. (अध्ययनरत) / बेकरी व्यवसाय / तीनों के गौत्र- तुनगरिया, गोठरवाल, पटवा, जरथलिया / पता- सतीश कुमार तुनगरिया, अजमेर/ मो. 9414364083

20. राहुल / 16-10-97 / 5'-10"/ B.Tech. / प्राईवेट कंपनी में बैंगलोर में सर्विस / गौत्र -चित्तौड़ा, सामरिया, बलरिया, नाहर / पता- बाबूलाल चित्तौड़ा, झालरापाटन (राज.) / मो. 9664269940

21. गौरव /20-04-90/ 5'-10"/ B.Tech. LL.B./ कनिष्ठ सहायक (कोटा में राजकीय सेवारत) / गौत्र- उदयवाल, गुजरानिया, मारवाल, भांवरिया/ पता- राजेन्द्र नामा, कोटा / मो. 9887381874

22. करन /05-11-95/ 5'-8"/B.Com. / निजी ज्वैलरी शॉप / गौत्र- झड़िया, सोपरा, बघेरवाल, गंगवाल / पता- राजकुमार झड़िया, रामगंजमंडी (राज.) / मो. 9414284477, 9530223956

23. यश / 09-12-88 / 5'-6'/ M.Com., C.A. (इंटर) / पूना में टेक्स कंसलटेन्ट / गौत्र - खींची, सिंदवाने, सिटोले, झेंडिया / पता- श्रीमती रजनी चौहान, धामनोद (धार-म.प्र.)/ मो. 9754776657, 9713264602

24. सुनील /07-10-80/ 5'-5"/ 10 वीं / प्राईवेट जॉब / सम्बन्ध विच्छेद / गौत्र- तलाइच, नरबाण / पता- रतलाल छीपा, अहमदाबाद / मो. 9327099147, 9924032833

25. पीयूष /11-09-92/5'-11"/ B.A. पोलीटेक्निक डिप्लोमा / निजी वस्त्र व्यवसाय / गौत्र- नाहर, मंडवाल, जोशी, चिचोतिया/ पता- सुरेन्द्र नाहर, बारां (राज.) / मो. 9468822361, 9950576982

26. प्रीतम / 22-11-90 / 5'-7"/ B.A. (कम्प्यू. साइंस) / स्वयं का रेस्टोरेन्ट / इन्हीं के अनुज.....

27. वीर / 03-06-92 / 5'-5"/ B.A. / निजी रेस्टोरेन्ट / दोनों के गौत्र- दोसाया, तोनगर्या, गोठरवाल, सरावगी / पता- घनश्याम छीपा, ग्राम- बोरावड़ (जिला-नागौर) राज. / मो. 9024424042

28. गौरी शंकर / 15-04-95/ 5'-8"/ 12 वीं / प्राइवेट सर्विस / गौत्र - बघेरवाल, नागर, मेड़तवाल, गोठानिया / पता - श्रीमती राजेश देवी, ग्राम- छोटा नरैना (अजमेर-राज.) / मो. 8005618545

29. **लालचन्द** / पुनर्विवाह / 02-08-79/ 5'-11''/ B.A. / फाइनेंस कार्य / गौत्र - सरावगी, धनोपिया, पटवा, दोसाया / पता - लालचंद सरावगी, ब्यावर / मो. 9001354386, 8764242080

30. **भूपेन्द्र**/16-06-92 /5'-6''/आंशिक मांगलिक /B.E.(मेकें.)/उदयपुर में इंजीनियर / गौत्र- झड़िया, मोरीवाल, सावलिया, मंडकला / पता- कृष्ण कुमार झड़िया, **मंदसौर** / मो. 9926893970, 9907670206

31. **सोमेश** / 08-11-97 / 5'-8'' /B.Tech. (इलेक्ट्रीकल्स) / मथुरा रिफाइनरी में ग्रेड-ए, ऑफीसर इंजीनियर / गौत्र - सांडक्या, जेठानिया, झड़िया, पंवार / पता- पुरूषोत्तम जयपुरिया, कोटा/ मो. 9529364619, 8619459284

32. **सुनील** / 17-09-85 / 5'-3''/10 वीं / निजी शॉप / गौत्र- मेड़तवाल, समेरिया, सांवलिया, झड़िया / पता- चांदमल नामदेव, **मंदसौर** / मो. 9691275708, 6378549115

33. **अंकेश** / 04-03-93 / 5'-7''/ ITI पोलोटेक्निक/ कोटा में प्राईवेट कं. में सहायक प्रबंधक/ गौत्र- दोलिया, मारवाल, बान्दरसिंदरिया, जेठानिया / पता- सी.एल. नामा, खेड़लीफाटक, **कोटा** / मो. 9460848675, 7733991686

34. **सुराज** / 22-06-92 / 5'-11''/ B.Tech. (आनर्स)/ अजमेर में / प्राईवेट कं. में सर्विस / गौत्र- काणीगांवा, बाकलीवाल, मेड़तवाल, नागर / पता- राजेन्द्र छीपा, **अजमेर** / मो. 9602192751

35. **विजय** / 04-09-96 / 5'-10'' / B.Tech. (इलेक्ट्रिकल्स) प्रा. कं. में उदयपुर में जूनियर इंजीनियर / गौत्र- पीलिया, जड़िया / पता- रमेश चन्द छीपा, **कांकरोली** (राज.) / मो. 8949836192

36. **शुभम्** / 15-08-94 / 5'-5'' / B.A. ITI / स्वयं का व्यवसाय / गौत्र - टटवाल, भरसूंडा, गड़िया दोसाया / पता- बाबूलाल टटवाल, **सवाईमाधोपुर** (राज.) / मो. 8058586857, 8949397212

37. **दीपक** / 25-07-90 / 5'-6''/ M.A. / प्राईवेट जॉब / गौत्र - बाकलीवाल, नईवाल / पता- कैलाश नामा, **सवाईमाधोपुर** / मो. 9887016371

38. **मोहित** / 30-10-89 / 5'-9''/ आंशिक मांगलिक / B. Com. / निजी शॉप व ई-मित्र/ गौत्र- सरसवाल, मालीवाल, लबानिया, टांडी / पता- नवल किशोर सरसवाल, **कोटा** / मो. 9414275104

39. **गर्वित**/ 21-05-95 / 5'-11''/ मांगलिक / B.Tech. (इलेक्ट्रीकल्स एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स)/ प्रा. कं. में इंजीनियर / गौत्र- नईवाल, गोठरवाल, उदयवाल, **आंछेरा** / पता- हेमन्त कुमार नामदेव, **कोटा** / मो. 9983321103

40. **सुमित**/ 02-10-92 / 5'-8''/ M.Com./ प्रा. कं. में उदयपुर में लेखाधिकारी / गौत्र- तुनगर्या, भंडारी, मिलकरा, बघेरवाल / पता- पुनीत तुनगर्या, **चित्तौड़गढ़** / मो. 9785791425, 9928938257

41. **पंकज**/ 30-10-91 / 5'-10''/ 12 वीं / प्रोपर्टी डीलर / गौत्र- राजोरिया, रायथलिया, चिन्नोनिया, **जग्गीवार** / पता- रामकिशोर चौधरी, **भीमगंजमंडी, कोटा** / मो. 8209625208

42. **शुभम** / 22-11-93 / 6'-1''/ B.Com. / C.A. / बैंगलोर में प्राईवेट कंपनी में जॉब / गौत्र -डोंगरवाल, बघेरवाल, सरावगी, बाकलीवाल / पता- हरिओम नामदेव, सीहोर (म.प्र.) / मो. 9406564164, 9406533174

शेष पृष्ठ 24 पर...

विट्ठल भजन

हे विट्ठल तेरे दर्शन को हजारों दीवाने बैठे हैं।
लाखों तो निकल गये करोड़ों तैयार बैठे हैं।

पंढ़रपुर के विट्ठल मुरारी कहो जी क्या है मरजी तुम्हारी।
नामदेव के बने हितकारी हम पर होगी नजर कब तुम्हारी॥

तुमने भक्तों की बिगड़ी सुधारी हम पर करदो नजर मुरारी।
हम आये है शरण तुम्हारी, हम पर होगी नजर कब त्रिपुरारी॥

तुम करते गरूड़ असवारी, हम आये है बनके भिखारी।
तुमने क्या ये हमसे विचारी, हमसे परदा करो ना बिहारी॥

माता रूकमणी संग में तुम्हारी, खड़े रहते हो ईंट पर बिहारी।
छीपा वंश की करो सुधारी, मन में करो सोच विचारी॥

सेवक नामा ये सोप का अनाड़ी, अब तो आवो जी गिरधारी।
गावें भजन तुम्हारे दिन राती, हमसे नजरें मिलाओ बिहारी॥

– गोपाल नामा, सोप (राज.)

विनती

नामदेव का करें सदा स्मरण
हमारे हो जाएंगे सब काम पूरण॥

सच्चे मन से करें सबको प्यार।
भेदभाव मिटाएं व्यवहार हो मधुर॥

न कोई छोटा-बड़ा समभाव बरतें।
मानवता की यही है सच्ची बातें॥

राजस्थान हो या प्रान्त कोई अन्य।
घटकवाद मिटाएँ, एकता के हो उपाय॥

शिक्षा-संस्कार बढ़ाएँ नौनिहालों के।
परिवार-समाज प्रयास हो सभी के॥

छा जाएगी खुशहाली, मिलेगी शान्ति।
विट्ठल-विट्ठल गाएँ, यही है सच्ची भक्ति।

– वृद्धिचन्द गोठवाल
कपासन (राज.)

बेटियाँ

घर-घर में बेटियों की दरकार समझलो।
इनको दो प्राण वंश चलाती हैं बेटियाँ॥

कुलवंश रीति नीत में बेटी ही प्रमुख है।
सम्मान दोनों कुल का बढ़ाती है बेटियाँ॥

जन्मे तो भला कैसे पनपे न भ्रूण में।
जीवन से पहले मौत पाती है बेटियाँ॥

घर बस्ती जमाने में मुश्किल में बेटियाँ।
खतरों से घिरी खुद को पाती है बेटियाँ॥

घटनाएं बताती है, छल लेते अपने भी।
घर में भी सुरक्षा नहीं पाती है बेटियाँ॥

नैहर में नहीं तरजीह ससुराल में पीड़ित।
पूछे न कितने दुख उठाती है बेटियाँ॥

है भ्रूण से ही खतरा जीवन में अंत तक।
बतलाओ सुरक्षा कहाँ पाती है बेटियाँ

हालात रहे ऐसे पछताएंगे सभी।
हर रोज मरती कहती जाती है बेटियाँ॥

घर-घर में पतोहू भला लाओगे कहाँ से।
बहुतों को नहीं मिल पाती है बेटियाँ॥

कम लिंगानुपात में बेटो से बेटियाँ।
हालात रोज सिमटी जाती है बेटियाँ॥

यह प्रश्न सभी से है उत्तर दो बताओ।
क्यो भ्रूण में यूँ मारी जाती है बेटियाँ॥

❑❑

– रामगोपाल राही नामा
लाखेरी (राज.)

विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं मंगल कामनाएं

चि. गौरव

सुपौत्र : श्रीमती इन्दु मेड़तवाल- स्व.श्री गोविन्द प्रसाद मेड़तवाल
सुपुत्र- स्व. श्री सुदीप मेड़तवाल-श्रीमती लता मेड़तवाल
निवासी: उदयपुर (राज.)

का

सौ.कां. गरिमा

सुपौत्री : स्व.श्री रामविलास जी बरग-स्व.श्रीमती शारदा देवी
सुपुत्री : श्री अनिल कुमार-श्रीमती राजेश नामा
निवासी: कोटा (राज.)

शुभ विवाह

दिनांक 25 नवम्बर 2022 को उदयपुर में सम्पन्न होने पर वर-वधु को हार्दिक बधाई
शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएं

मेरे उर का हर स्पंदन, करता आपका अभिनंदन
॥ मेड़तवाल परिवार ॥

शुभेच्छु

श्रीमती इन्दु मेड़तवाल-स्व.श्री गोविन्द प्रसाद मेड़तवाल (दादी-दादा),
स्व.श्री सुदीप मेड़तवाल-श्रीमती लता मेड़तवाल (पापा-मम्मी),
डॉ. जिज्ञासा-श्री रवि जी (बहिन-बहिनोई), ईशान्या (भांजी)
समाज शिरोमणि स्व. श्री दौलतराम मेड़तवाल-स्व.श्रीमती पुष्पादेवी,
स्व. श्री देवकृष्ण-स्व.श्रीमती विद्यादेवी, डॉ. कृष्ण बिहारी-श्रीमती संतोष,
डॉ. रघुनंदन-श्रीमती बिन्दु, श्रीनाथ जी-श्रीमती उमा (दादा-दादी) एवं समस्त
मेड़तवाल परिवार, सांगोद, कोटा, दिल्ली, ब्यावर, जयपुर, उदयपुर

ननिहाल पक्ष -

स्व.श्री बरदी चंद जी बघेरवाल-स्व.श्रीमती शांता देवी (नाना-नानी),
डॉ. राजेन्द्र बघेरवाल-डॉ. शोभा,
श्री अनिल बघेरवाल-श्रीमती मीना (मामा-मामी),
श्री नवल खण्डेलवाल-श्रीमती ज्योति (मौसाजी-मौसी)

निवास : 329, 'शिवाशीष' शिव कॉलोनी, सेक्टर-6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
मो. 8668217730, 8209333895

विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं मंगल कामनाएं

सौ.कां. दीक्षा

सुपौत्री : श्री नाथूलाल सांखला-श्रीमती राम भरोसी
सुपुत्री : श्री राजेश सांखला-श्रीमती नीलम
निवासीः कोटा (राज.)

का

चि. यशवन्त

सुपौत्र : श्री बाबूलाल जी नईवाल-श्रीमती सीता देवी
सुपुत्र- श्री नन्दलाल जी नईवाल (बबली)-श्रीमती आशा देवी
निवासीः प्रताप नगर, जयपुर (राज.)

शुभ विवाह

दिनांक 2 दिसम्बर 2022 को कोटा में सम्पन्न होने पर वर-वधु को
हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु मंगल कामनाएं

शुभेच्छु :

नाथूलाल सांखला-श्रीमती राम भरोसी (दादा-दादी)
मदनलाल-श्रीमती उमा देवी (ताऊजी-ताईजी)
गोपाल-खुशबू, नितिन-सुमन, सुनील-गुलशन,
सुरेन्द्र-राजकुमारी (चाचा-चाची),
अभिषेक-ज्योति (भाई-भाभी),
नेहा-विकास जी (बहिन-बहिनोई),
सिद्धार्थ, अनुज, अनिरूद्ध, जयनित, अबीर, मोहित (भ्राता),
पायल, मनीषा, सौम्या, टीना, शिवानी (बहिन),
कमलेश-श्री राजेश जी, सरोज-मनीष जी, गंगा-शिव जी,
सुनीता-नारायण जी (बुआ-फूफाजी)

प्रतिष्ठान

मै. श्री राम ऑटो मोबाइल
न्यू मोटर मार्केट, कोटा

मै. राधे ट्रेक्टर्स
न्यू मोटर मार्केट, कोटा

निवास : 22/60, टी.टी. हॉस्पीटल के सामने, अग्रसेन नगर, केशवपुरा, कोटा (राज.)
मो. 9414231077, 9928337940

विवाहोपलक्ष्य पर हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं मंगल कामनाएं

चि. यशवन्त

सुपौत्र : श्री बाबूलाल जी नईवाल-श्रीमती सीता देवी
सुपुत्र- श्री नन्दलाल जी नईवाल (बबली)-श्रीमती आशा देवी
निवासी: प्रताप नगर, जयपुर (राज.)

सौ.कां. दीक्षा

सुपौत्री : श्री नाथूलाल सांखला-श्रीमती राम भरोसी
सुपुत्री : श्री राजेश सांखला-श्रीमती नीलम
निवासी: कोटा (राज.)

का

शुभ विवाह

दिनांक 2 दिसम्बर 2022 को
कोटा में सम्पन्न होने पर
वर-वधु को
हार्दिक बधाई, शुभाशीष एवं
सुखद दाम्पत्य जीवन हेतु
मंगल कामनाऐं

शुभेच्छु:

बाबूलाल जी-श्रीमती सीता देवी (दादा-दादी)
नन्दलाल नईवाल-श्रीमती आशा (पापा-मम्मी)
देवेन्द्र-खुशबू, सुरेन्द्र-सुमन (भाई-भाभी)
धृति (पीहू), उद्भव (इशु) (भतीजा, भतीजी)
एवं समस्त नईवाल परिवार (मण्डावरी वाले) जयपुर (राज.)

निवास : प्लाट सं. 164/48, सेक्टर-16, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.)
मो. 9460656364, 8955520057

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

ऐश्वर्य नागर

को पॉवर फाइनेन्स कॉरपोरेशन लि. (भारत सरकार का उपक्रम) नई दिल्ली में असिस्टेन्ट मैनेजर के पद पर नियुक्त होने पर तथा इनके अनुज...

चि. ऐश्वर्य नागर

DOB: 11-02-1996
B.Tech - CTAE, Udaipur
M.B.A.-TISS, Mumbai
(Tata Institute of Social Science, Mumbai)

हर्ष नागर

का UGC Net व JRF (वर्ष 2022) में उत्तीर्ण होने पर

चि. हर्ष नागर

DOB: 06-07-2000
B.A. Spanish Language (JNU New Delhi)
M.A. Sociology (JNU New Delhi)

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं

शुभेच्छु :

सुरेन्द्र कुमार नागर - श्रीमती विमला देवी (दादा-दादी)
सुनील कुमार नागर-श्रीमती संगीता (पापा-मम्मी)
सुधीर कुमार नागर-श्रीमती शानू (चाचा-चाची)
हरिप्रसाद मेड़तवाल-श्रीमती सुनीता (फुफाजी-बुआ)
सुरेन्द्र कुमार नामा-श्रीमती सरोज (फुफाजी-बुआ)
मंगल चन्द छीपा-श्रीमती शकुन्तला देवी (नाना-नानी)
अभिषेक छीपा-श्रीमती यशवन्ती (मामा-मामी)
अनिल नामा-श्रीमती माया (मौसाजी-मौसीजी),
वरुण कुमार छीपा-श्रीमती दीपिका (मौसाजी-मौसीजी)

निवासः सदर बाजार, फूलिया कलां, जिला भीलवाड़ा (राज.)
मो.: 9460578305

नामदेव समाज की सम्बन्ध योग्य युवतियाँ

1. डॉ. सृष्टि रमन / 05-11-90 / 5'-5''/एनोटोमी विषय में पीएच.डी./ गौत्र - मेचा, धिंडवाल, पांडला / पता- रमन कुमार, चण्डीगढ़ / मो. 9501635715

2. प्रेरणा /02-01-97/5' / B.Sc. (Nursing) / एम्स भोपाल में नर्सिंग ऑफीसर / गौत्र- जेठानिया, दोलिया, आसरमा, झड़िया / पता - त्रिलोक कुमार नामदेव, बालाकुण्ड, कोटा / मो. 9680536796

3. ज्योति / तलाकशुदा / 03-09-94 / 5'-5''/ M.A./ सिलाई एवं कम्प्यूटर में डिप्लोमा / गौत्र- मेड़तवाल, आसरमा, नईवाल, ऐंछारा / पता- रामचन्द्र नामा, मालपुरा (टोंक -राज.) / मो. 9414439978

4. मूमल /01-03-99/5'-4''/ B.Des. (फैशन डिजाइनर)/ नोएडा में सर्विस / गौत्र- दोसाया, समेलिया, तुनगर्या, मेड़तवाल / पता- सुशील कुमार वर्मा, अजमेर / मो. 9468755203, 8852037271

5. कृतिका /05-12-96/ 5'-3''/ B.Sc./ गौत्र- बलरिया, लोबानिया, तोनगर्या, माधोरिया / पता - घनश्याम बलरिया, कोटा / मो. 7340548715

6. श्रुति / 22-04-96 / 5'-4''/ B. Tech. (इलेक्ट्रीकल्स)/ गौत्र- नाहर, मेड़तवाल, सोरनिया, सरावगी / पता- शुद्धोधन नाहर, कोटा (राज.) / मो. 9413405416

7. शिखा /18-11-96/मांगलिक / M.Com., PGDCA / गौत्र- जोशी, कासलीवाल, सामरिया, जेठानिया / पता- दिनेश जोशी, भानपुरा (म.प्र.)/ मो. 8989604711

8. डॉ. पलक /25-08-96/ 5'-3''/ BDS / गौत्र- चित्तौड़ा, सोपरा, पटवा, गोठरवाल / पता- राजेन्द्र चित्तौड़ा, कोटा /मो. 9998957073, 9662052073

9. दया /30-12-95 / 5'-2''/ M.A., B.Ed. / निजी शिक्षक / गौत्र- उदयवाल, गंगवाल, खींची, जोशी / पता- महावीर प्रसाद नामा, केशवपुरा, कोटा / मो. 9929380096, 9799310240

10. आकांक्षा / 30-11-92 / 5'-7''/ एम.बी.ए. (फाइनेंस)/ प्रा. कं. में लेखाकार / गौत्र - धनोपिया, घंटारिया, माधोरिया, मेड़तवाल / पता - श्री ओम प्रकाश नामदेव, भोपाल / मो. 9074146510

11. डॉ. प्रज्ञा / 06-05-90/5'-3''/ BDS, MDS (Dental)/ कोटा में प्राइवेट डेन्टल कॉलेज हॉस्पिटल में सीनियर रेजीडेन्ट / गौत्र- अजमेरा, बर्ग, दोलिया, नाफड़िया / पता- लक्ष्मीचन्द अजमेरा, एस-3, सेक्टर-2, दादाबाड़ी विस्तार, कोटा (राज.) / मो. 9461294883, 9660734233

12. अदिति /07-04-94/5'-2''/ B.Tech., MBA / प्राईवेट कं. में सर्विस/ इन्हीं की छोटी बहिन ....

13. डॉ. प्रियंवदा / 14-10-97 / 5'-4'' / MBBS / दोनों के गौत्र- कंजोलिया, जोशी, जड़िया, धनोपिया / पता- नवीन कंजोलिया, कोटा / मो. 9460568122

14. विनिता/ 02-01-91 / M. Sc. (माइको.)/ इंदौर में प्रा. हॉस्पिटल में जूनियर साइंटिफिक ऑफिसर / गौत्र - उजलपगा, डूंगरवाल, उज्जैनिया, सरावगी / पता- सतीश नामदेव, देवास (म.प्र.)/ मो. 9826041178, 9407030817

15. **उमा**/ 16-10-2000 / 5'-5''/ M.Com./ शिक्षक / गौत्र- डिग्गीवाल, पीलिया, जाजपुरा, जोशी / पता- पुरूषोत्तम छीपा, हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)/ मो. 6375156799, 9680530674

16. **सुनीता** / 21-06-95 / 5'-2''/ M.A., B.Ed. / इन्हीं की बहिन.....

17. **कविता** / 14-05-99 / 5'-2''/ M.A., B.Ed. / दोनों के गौत्र - मेड़तवाल, कंजोलिया, जोशी, जेठानिया / पता- हनुमान प्रसाद नामा, ग्राम- सिलोर (जिला-बूंदी) राज. / मो. 9660807173, 6376318415

18. **निधि** / 13-04-96 /5'/ B.E. (C.S.) /बैंगलोर में सर्विस / गौत्र - पटवा, हलकारा, तोनगरिया, मेड़तवाल / पता- जगदीश पटवा, नीमच / मो. 9893699800

19. **खुशबू** / 23-12-98 / 5'-2''/ B.Tech./ बैंगलोर में T.C.S. में इंजीनियर / गौत्र- जोशी, खटोत, झड़िया, बघेरवाल / पता- अनिता जोशी, कोटा / मो. 8905571955, 7023760179

20. **तृप्ति** / 08-11-96 / 5' / B.Sc. / प्राइवेट सर्विस / गौत्र- बरग, मालीवाल, मेड़तवाल, मंडीवाल / पता- हरीश चन्द्र नामा, बारां / मो. 8107480851

21. **वैशाली** / 17-11-94 / पोलीटेक्निक/ प्राइवेट सर्विस / गौत्र- कासलीवाल, बालेता, बरग, डिग्गीवाल / पता- चतुर्भुज नामा, विवेकानन्द नगर, कोटा /मो. 9799902672

22. **पायल** / 25-11-96 / 5'-5''/ M.Sc. / फैशन डिजाइनिंग / BCA / गौत्र- सांखला, आसरमा, जिठाना, आसावलिया / पता- राजेश सांखला, अग्रसेन नगर, केशवपुरा, कोटा / मो. 9414231077

23. **प्रियंका** / 17-11-87 / 5'-4''/ M.A., B.Ed. / सरकारी स्कूल में व्याख्याता / इन्हीं की छोटी बहिन.

24. **अंजली** / 16-10-92 / 4'-10''/ M.Com./ सरकारी कार्यालय में संविदाकर्मी/इनकी छोटी बहिन.

25. **रश्मि** / 30-07-94/ 4'-10''/MA, B.Ed. / तीनों के गौत्र- बलरिया, सोपरा, ढ़िढोरवाल, बाकलीवाल / पता - श्रीमती मधु नामदेव W/o स्व. श्री भीकमचंद,ग्राम-भदेसर, जिला चित्तौड़गढ़(राज) / मो. 8209063816, 6377027172, 9468956641

26. **शिक्षा** / 11-11-97 / 5'-4''/ M.Sc. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) / गौत्र- डोंगरवाल, सरावगी, टोगरिया, आचार्य / पता- हरिओम नामदेव, सीहोर (म.प्र.) / मो. 9406564164, 9406533174

27. **दिव्या** / 16-04-96 / 5'-7''/ B.A. (अध्ययनरत) / प्रा. कं. में सर्विस / गौत्र- डिग्गीवाल, गोठरवाल, आसरमा, आछोरिया / पता- राजेश भाई भावसार,अहमदाबाद / मो. 9662144967

28. **कविता** / 08-11-90 / 5'-6''/ M.A., B.Ed. / सरकारी अध्यापक / गौत्र- पटवा, धनोपिया, नागर, सरावगी / पता- उत्तम चंद, पटवा, ब्यावर (राज.) / मो. 9929540026

29. **प्रतिभा** / 22-09-29 / 5'-5''/ मांगलिक / B.Sc. / प्राईवेट सर्विस / इन्हीं की बहिन....

30. **तरूणा** / 25-08-2001/ / 5'-5''/ B.A. / अध्यापक / दोनों के गौत्र - झड़िया, चांचेड़िया, नरबाण, दसलाणिया / पता- बी.एल. नामदेव, चित्तौड़गढ़ / मो. 9460225925

31. **शिल्पा** / 23-11-92 / 5'-4''/ B. Tech. (ECE) / गौत्र- पीलिया, बांदरसिंदरया, बंदीवाल, गोठानिया / पता- तेजकरण नामा, कोटा / मो. 9460813471

शेष पृष्ठ 24 पर...

मनोहरपुर में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

मनोहरपुर। जयपुर जिले के मनोहरपुर ग्राम स्थित नामदेव छीपा समाज की करीब दो सौ वर्ष प्राचीन धरोहर श्री रघुनाथ जी गोपाल जी मंदिर में विट्ठल नामदेव एवं चिन्ताहरण हनुमान जी के विग्रहों का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव धार्मिक हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। दिनांक 7 दिसम्बर 2022 को विशाल शोभा यात्रा/ कलश यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें इन विग्रहों की नगर परिक्रमा करवाई गई। नगर परिक्रमा में समाज बन्धुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। दिनांक 8 दिसम्बर को देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आचार्य पंडितों द्वारा शास्त्रोक्त विधि विधान पूर्वक संपन्न करवाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन समूह की सक्रिय भागीदारी रही। इसी दिन विशाल भण्डारा भी हुआ, जिसमें लगभग 4-5 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

इस प्राचीन मंदिर पर शानदार आयोजन सम्पन्न करवाने में समाज के ग्रामवासी परिवारों ने कड़ी मेहनत की और एकता का परिचय दिया। इससे

पूर्व मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य करवाया गया था, जिसमें समाज बन्धुओं द्वारा उदार मन से प्रदत्त आर्थिक सहयोग स्वरूप लगभग 50 लाख रू. की राशि व्यय की गई थी। इस हेतु सभी सहयोगी समाजबन्धु, दानदाता एवं कार्यकर्ता हार्दिक धन्यवाद एवं बधाई के पात्र हैं।

❑❑

- मदन लाल छीपा
जयपुर, मो. 9785273144

हे संत शिरोमणि

भारत के स्वर्ण काव्य काल के है उद्गाता।
धराधाम में अवतरित जन-गण-मन के है युगगाता॥
आदि, रीति, मध्य काल में फैला घना अंधेरा था,
सारे जन-गण जीवन में छाया अवसाद घनेरा था।
जाति-पांति, पाखंड, छुआछूत अंधविश्वासों का फेरा था,
राष्ट्र भविष्य पर आक्रमणें में शंकाओं का डेरा था।
भक्ति-क्रांति लाने कबीर से एक सदी प्रथम धाये,
नव क्रांति के शुभ प्रभात तुम, भारत विधाता आये।

भारत के स्वर्ण काव्य......।
धरा धाम में अवतरित ......।

भारत के बामणी ग्राम में हुए, अवतरित उजियाला भरने,
भाग्य सूर्य देश का जागा, पुन: महा अध्यात्म राष्ट्र बनने।
शैशव में ही बिठोबा-बिठोबा तुम लगे पुकारने,
विट्ठल भक्ति की प्रथम नींव तुम जन-गण में भक्ति भरने।
चल पड़ी श्रृंखला निर्माणी संग शत-शत संतो की
थी जीजिविषा भारत की, महाराष्ट्र से राष्ट्र महान करने।

भारत के स्वर्ण काव्य...।
धरा धाम में अवतरित ....।

- गोपाल नामेन्द्र
कोटा
मो. 6350120210

युवक... पृष्ठ 19 का शेष भाग....

43. आभास / 15-09-91 / 5'-4''/ M.A., PGDCA. / निजी कम्प्यूटर वर्क / गौत्र -सामरिया, कुम्हारिया, सांखला, खींची / पता- हरिश कुमार सामरिया, झालावाड़ (राज.)/ मो. 9928872728

युवती... पृष्ठ 22 का शेष भाग...

32. साक्षी / 23-09-96/ 5'-2''/ मांगलिक / M.Com., PGDCA / गौत्र -मेड़तवाल, नागर, पीलिया, पांडिया / पता- महेश नामदेव, **मंदसौर** / मो. 9179722115

33. हर्षिता / 25-09-98/ 5'-2''/ M.A. / गौत्र - आसावलिया, उदयवाल, सांखला, आंछेरा / पता- राजेन्द्र प्रसाद श्रेष्ठी, कोटा / मो. 9413352602

34. प्रियंका/ 15-07-94/ 5'-3''/ M.A., BSTC / राजकीय सेवारत अध्यापिका / गौत्र - खींची, नाफड़िया, बाड़ीका, बरग / पता- नरेन्द्र कुमार खींची, छीपाबड़ौद (बारां)/ मो. 9799443664

35. आयुषी / 03-06-97 / 5'-2''/ M.A. डिप्लोमा (क्लिनिकल साइकोलोजी) एडवांस डिप्लोमा (अध्ययनरत) / गौत्र - चौहान, सोलंकी, गहलोत, टांडी / पता- किरण कुमार चौहान, अहमदाबाद / मो. 9825031001

36. दीपा / 01-09-96 / 5'-3''/ M.A.I / गौत्र- ढूंढेतिया, चित्तौड़ा, मेड़तवाल, बलरिया / पता- मोहनलाल नामदेव, खानपुर (झालावाड़-राज.)/ मो. 9602404202, 9664269940

37. श्रेया / 14-04-92 / 5'-2''/ मांगलिक / B.Tech. (C.S.) /पुणे में सॉफ्टवेयर डवलपर / गौत्र- मारवाल, तोनगर्या, आसरमा, मंडीवाल / पता- ओम प्रकाश नामा, जय हिन्द नगर, कोटा / 9660772918

44 . राहुल / 26-09-97 / 5'-6''/ B.Tech. (IT) / बैंगलोर में प्रा. कं. में सर्विस / गौत्र उदयवाल, टटवाल, डरेल, बरग / पता- राकेश उदयवाल, महावीर नगर तृतीय, कोटा / मो. 9887895427

विविध सामाजिक गतिविधियों की सचित्र झलकियाँ

कोटा : सामुहिक विवाह सम्मेलन की सचित्र झलकियाँ दि. 4-11- 2022

चित्तौड़ : प्रतिभा सम्मान समारोह की सचित्र झलकियाँ दि. 18-12-2022

इन्दौर : अन्नकूट महोत्सव की सचित्र झलकियाँ दि. 13-11-2022

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **चि. अक्षय कृष्ण जोशी**
जन्म तिथि : 11-अगस्त-1993
जन्म समय : दोपहर 2 बजे
जन्म स्थान : कोटा
लम्बाई : 5' 9''
योग्यता : B.A, M.B.A.
योग्यता : IDFC बैंक कोटा में उप प्रबंधक पद पर कार्यरत
गौत्र निषेध : स्वयं-जोशी, माता- गड़िया, दादी-गुजरानिया, नानी-घंटालिया

दिव्य शुभाशीषः स्व. श्री बद्रीलाल जोशी–स्व.श्रीमती कस्तूरी देवी (दादा–दादी)

शुभेच्छु विजय कुमार–श्रीमती हीरा (ताऊजी–ताईजी), धर्मकुमार–श्रीमती शारदा (माता–पिता), अजय–रमा, हुकमचंद–पूर्णिमा (काका–काकी), रवि–शालिनी, राहुल–प्रभा, ईशान–निकिता, लोहित–डॉ. प्रीति, सोहित–गायत्री (भाई–भाभी), आकाश, अपूर्वा, हिरल, यजत, पूर्विशा, अनिष्क, कर्तव्य (भतीजा, भतीजी) एवं समस्त जोशी परिवार

चि. अक्षय कृष्ण जोशी
DOB: 11-8-1993
B.A., M.B.A.

निवास : C-38, इन्द्र विहार, शिवज्योति स्कूल के पास, कोटा (राज.)
मो.: धर्मकुमार - 7742368225, रविकुमार - 9829414527

रावतभाटा: नव वर्ष स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह की सचित्र झलकियाँ दि. 11-1-2023

देवास: नामदेव जयन्ती समारोह की सचित्र झलकियाँ दि. 6-11-2022

कोटा : नामदेव डांडिया महोत्सव-2022

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने की शिरकत

कोटा। नामदेव युवा संगठन एवं नवोदिता महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हितैषी सभा कोटा एवं नगर महासभा कोटा के सहयोग से दिनांक एक व दो अक्टूबर 2022 को संत नामदेव आई.टी.आई. परिसर में नामदेव डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव के प्रथम दिन एक अक्टूबर को लोकसभा अध्यक्ष माननीय श्री ओम बिरला मुख्य अतिथि थे। आयोजक संस्थानों की ओर से श्री बिरला को 51 किलो का पुष्पहार तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि नामदेव समाज मेरा परिवार है। कई वर्षों से मैं इस समाज के कार्यक्रमों में शामिल होता रहा हूँ, यह मेरा सौभाग्य है। संत नामदेव जी महाराज एक विलक्षण प्रतिभा वाले दिव्य संत थे, जिन्हें भगवान ने 74 बार दर्शन दिये। हम उनके अनुयायी हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने अपने उद्बोधन में नामदेव छीपा समाज के भूतपूर्व तथा वर्तमान अनेक पदाधिकारियों एवं समाज बधुओं से अपनी घनिष्ठता होने का जिक्र भी किया।

डांडिया महोत्सव के प्रथम दिन के कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विट्ठल नामदेव प्रांतीय महासभा के अध्यक्ष श्री जे.पी. श्रेष्ठी ने की। मंच पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा, जयपुर जिलाध्यक्ष श्रीराम सोपरा, कोटा जिलाध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव, रंगाई छपाई प्रकोष्ठ के संयोजक श्री अवधेश पाण्डे, कोटा के संभागीय अध्यक्ष एच.एल. नामा, पूर्व बूंदी जिलाध्यक्ष भारत नामा, श्री धर्मकुमार जोशी, श्री रामस्वरूप अजमेरा, श्री लक्ष्मीचंद अजमेरा विशिष्ट अतिथि थे।

दो दिवसीय डांडिया महोत्सव के दूसरे दिन 2 अक्टूबर 2022 को कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती राखी गौत्तम (महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी) थी। अध्यक्षता कर रहे कोटा जिलाध्यक्ष गोविन्द नामदेव ने श्रीमती गौत्तम का पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विशिष्ठ अतिथि, राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा, प्रायोजक श्री गोपाल सरावगी एवं पंकज नामा सहित अनेक समाजसेवी तथा प्रायोजकगण मंचासीन थे, जिनका संस्था की ओर से स्वागत सम्मान किया गया। डांडिया महोत्सव में महिलाओं, पुरूषों, युवाओं, युवतियों तथा नन्हे-मुन्हों के नृत्य के अलग-अलग राउण्ड हुए। गरबा नृत्य के विजेताओं तथा सभी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से पुरस्कार एवं उपहार भेंट किये गये। युवा संगठन के अध्यक्ष श्री मुकेश नामा (विक्की) ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राकेश जेठानिया और गौरव नामदेव ने किया। ❑❑

नोट :- आयोजन की सचित्र झलक रंगीन पृष्ठों पर

डॉ. मनोज अपूर्वा को संत नामदेव पर शोध उपाधि

अजमेर। राजस्थान के अजमेर निवासी श्री मनोज कुमार अपूर्वा ने महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से वर्ष 2022 में **संत नामदेव का सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान : एक ऐतिहासिक अध्ययन** विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने यह शोध कार्य जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर में सीनियर रेडियोग्राफर के पद पर राजकीय सेवारत रहते प्रो. माणक जैन के निर्देशन में पूर्ण किया है। इसके लिए उन्हें छीपा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा, विट्ठल संसार के संपादक श्री राम निवास टेलर (अजमेर), पूर्व निदेशक कोष एवं लेखा श्री के.सी. टेलर, श्री राकेश, श्री प्रकाश वर्मा, श्री मूलचंद, श्री उम्मेदमल, श्री भूपेश सरड़ा तथा श्री रमेश चंद्र अपूर्वा सहित अनेक गणमान्य महानुभावों का सहयोग एवं मार्गदर्शन

मिला। इसके लिए वह इन सभी का हार्दिक आभार प्रकट करते है। डॉ. मनोज ने अपना यह शोध कार्य भगवान विट्ठल को समर्पित किया है। डॉ. अपूर्वा एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं।

❑❑

डीग : दाऊजी महाराज का प्राकट्योत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

डीग। बलदेव छठ पर 2 सितम्बर 2022 को दाऊजी महाराज का जन्म उत्सव सौघर स्थित दाऊजी मंदिर डीग में धूमधाम से मनाया गया। प्रात: दाऊजी महाराज का पंचामृत अभिषेक किया गया। शाम को भव्य श्रृंगार किया गया। फूल बंगला सजाया गया। भव्य विद्युत सजावट एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया।

गोहिल छीपा समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ दाऊजी महाराज के भजनों के साथ हुआ। गोहिल छीपा समाज के सचिव श्री भगवान स्वरूप के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान माखन लीला, सुदामा लीला, महारास /डांडिया रास की कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। साथ ही विशेष आरती का आयोजन भी किया गया और बधाईयां गाई गई।

इस अवसर पर गोहिल छीपा समाज डीग की कार्यकारिणी के सदस्य श्री भगवान स्वरूप रिंकू, मोहनस्वरूप, आशा देवी, लक्ष्मी देवी, हेमंत, सहित युवा मंडल के गोलू, शेलू, योगेश, कलुआ एवं समाज के लोगों ने परिवार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों व आस-पास के दाऊजी भक्तों ने भाग लिया। सचिव भगवान स्वरूप के अनुसार अगले वर्ष भी दाऊजी महाराज के जन्म दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। ❑❑

नोट : सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

कोटा : संभागीय संस्था हितैषी की आमसभा सम्पन्न

सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए संभागीय पदाधिकारी

कोटा। श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा कोटा की साधारण सभा की बैठक दिनांक 18 दिसम्बर 2022 को संत नामदेव आई.टी.आई. भवन कोटा के स्व. श्री भैरूलाल पाटौदी स्मृति सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में संभाग के चारों जिलों कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़ के हितैषी सभा के सदस्यों, पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, युवा एवं महिला मण्डलों के पदाधिकारियों तथा समाज बन्धुओं ने भाग लिया।

आरंभ में चारों जिलों के जिलाध्यक्षों, युवा मंडलों के अध्यक्षों एवं महिला मण्डल बूंदी की अध्यक्ष को मंचासीन करवाने के बाद संत नामदेव के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ आमसभा का शुभारम्भ हुआ। तत्पश्चात कोटा जिलाध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव ने स्वागत उद्‌बोधन दिया उन्होंने संस्था के चार पदों अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री तथा कोषाध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से मनोनयन के संबंध में अपने विचार रखे। उन्होंने बारां जिलाध्यक्ष श्री सत्यनारायण डीडोत से चारों पदों पर सर्वमान्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा करने तथा घोषित नामों के लिए सर्व सम्मति प्रदान कर सदन से अनुमोदन करने का आग्रह किया। श्री डीडोत ने अध्यक्ष पद पर श्री रामचरण आमेरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर श्री शंभू दयाल मण्डकला, महामंत्री हेतु श्री रमेश घूमस तथा कोषाध्यक्ष पद पर श्री राकेश जेठानिया के मनोनयन की घोषणा की और सदन से इन चारों नामों पर सर्व सहमति प्रदान करने का आग्रह किया। इस पर सभी उपस्थित सदस्यों ने चारों नामों के लिए हर्ष ध्वनि से सहमति प्रकट कर इनका अनुमोदन

कर दिया। तत्पश्चात चारों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सदन में उपस्थित राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा ने शपथ ग्रहण करवा दी।

आमसभा में चारों जिलों के जिला अध्यक्षों कोटा के जिलाध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव, बारां के जिलाध्यक्ष श्री सत्यनारायण डीडोत, बूंदी के जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र दोसाया तथा झालावाड़ के जिलाध्यक्ष श्री योगेश झड़िया ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने चारों पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को हार्दिक बधाई दी और सदन का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा ने भी अपने उद्‌बोधन में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को राष्ट्रीय छीपा महासभा की ओर से हार्दिक बधाई दी।

बैठक में चारों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किये और संस्था, संगठन तथा समाज हित में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। आमसभा में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का चारों जिलों की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों तथा समाज बन्धुओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत अभिनन्दन किया और निर्विरोध निर्वाचन पर हार्दिक बधाईयां दी।

नोट : आयोजन की सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

ब्यावरा : देव विग्रहों का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न

ब्यावरा। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा नगर में भंवरगंज स्थित समाज के प्राचीन मंदिर श्री मदन मोहन जी महाराज में दिनांक 6 से 8 मई 2022 तक त्रिदिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। श्री नामदेव वैष्णव छीपा समाज, ब्यावरा के तत्वावधान में आयोजित महोत्सव के प्रथम दिन 6 मई को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इसी दिन हेमाद्री स्नान, वरूण पूजन, गणेश पूजन, मण्डल स्थापना तथा प्रतिमाओं का जलाधिवास करवाया गया।

महोत्सव के दूसरे दिन 7 मई को मण्डल पूजन, मूर्ति संस्कार, अन्नाधिवास, शैयाधिवास तथा हवन शांति करवाई गई। रविवार 8 मई को पूर्णाहुति एवं महाआरती तथा महाप्रसादी के आयोजन हुए। मंदिर में भगवान विट्ठल एवं मदन मोहन जी महाराज तथा संत नामदेव के विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञाचार्य पं. श्री प्रेमनारायण जी नागर के नेतृत्व में आचार्यगणों ने सम्पन्न करवाई।

ब्यावरा में छीपा समाज का मंदिर 100 वर्ष से अधिक पुराना है, जिसका जीर्णोद्धार समाजबुन्धुओं के आर्थिक सहयोग से करवाकर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। भगवान विट्ठल एवं संत नामदेव की आकर्षक प्रतिमाएं जयपुर के मूर्ति शिल्पकारों से तैयार करवाई गई। दोनों प्रतिमाओं को कोटा के समाजसेवी श्री श्रीराम पाटौदी ने अपने परिवार की ओर से भेंट किया। उन्हें इस सेवा कार्य के लिए राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा (मेड़तवाल) कोटा ने प्रेरित किया था। प्रतिमाओं के निर्माण कार्य में जयपुर के समाजसेवी श्री सुरेश मेड़तवाल पुत्र स्व. श्री चिरंजीलाल मेड़तवाल का सराहनीय सहयोग रहा। इस मंदिर के जीर्णोद्धार कार्यों में समाज के भामाशाह दानदाताओं तथा जन- प्रतिनिधियों ने भरपूर सहयोग दिया।

क्षेत्रीय विधायक (ब्यावरा) श्री रामचंद्र डांगी ने तीन लाख रूपये, पूर्व विधायक श्री नारायण सिंह पंवार ने एक लाख रू. तथा ब्यावरा नगर पालिका के चेयरमेन श्री अखिलेश जोशी ने एक लाख रूपये की अनुदान सहायता प्रदान की। ब्यावरा के स्थानीय समाज बन्धुओं ने इस सामाजिक-धार्मिक कार्य के निमित्त उदारमन से भरपूर सहयोग कर 22 लाख 39 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। अन्य स्थानों-सुठालिया, नरसिंहगढ़, राजगढ़, आष्टा, सीहोर, खींलचीपुर, अशोकनगर, रामगंजमंडी, झालरापाटन, मनोहरथाना एवं कोटा आदि स्थानों के समाज बंधुओं से 3 लाख 66 हजार रूपये की अनुदान राशि भेंट स्वरूप प्राप्त हुई।

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में दोनों विग्रहों के भेंटकर्ता स्व. श्रीराम पाटौदी (कोटा) के परिवारजनों उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा नामा, उनके पुत्र श्री विनय पाटौदी एवं पुत्रवधू श्रीमती सूरज को सम्मानित भी किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में सर्वश्री पवन कुमार नईवाल, विजय कुमार बलरिया, हेमन्त आर्य तथा प्रवीण बांदरा यज्ञवेदी पर विराजमान रहे। समारोह के दौरान सामूहिक भण्डारा/प्रसादी का आयोजन भी हुआ।

❑❑

- विट्ठल दास नामदेव
कोषाध्यक्ष, श्री नामदेव वैष्णव छीपा समाज
ब्यावरा मो. 9406531563

नोट : आयोजन की सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई मंगलशुभकामनाएं

श्री राजेश जोशी

पुत्र स्व.श्री धूलीलाल जी जोशी को राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय रंगबाड़ी, कोटा में 30 वर्ष की सेवाएं सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिपिक पद से दिनांक 30 सितम्बर 2022 को सेवानिवृत्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

शुभेच्छु :

मधुसूदन नामा-हिना जोशी,
दीपक मोदी-प्रियंका जोशी,
निहार भावसार-भानुप्रिया भावसार (जँवाई-पुत्री),
शुभम जोशी (पुत्र),
श्रीयांश नामा, अगत्या मोदी एवं कृष्णवि भावसार
(नाती-नातिनी)

चि. शुभम जोशी

DOB: 10-3-1994
B.A., I.T.I.

सेवानिवृत्ति का मतलब आपके सक्रिय जीवन का अंत नहीं है, बल्कि आप वह सभी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं।

Happy Retirement Life

निवास: 23/142, सराय कायस्थान, कैथूनीपोल, कोटा (राज.) 324007
मो.: 06377251779

वैवाहिकी परिचय विवरण

चि. पीयूष नाहर

जन्म तिथि	:	11-09-1992
जन्म समय	:	दोपहर 1.30 बजे
जन्म स्थान	:	बारां (राज.)
लम्बाई	:	5'11''
योग्यता	:	B.A, Polytechnic
व्यवसाय	:	निजी वस्त्र विक्रेता
गौत्र निषेध	:	स्वयं-नाहर, माता- मंडवाल दादी-जोशी, नानी-चिचोतिया

शुभेच्छु

श्याम जोशी-श्रीमती गायत्री जोशी (पापा-मम्मी)
नेहा (बहिन) एवं समस्त नाहर परिवार

प्रतिष्ठान

मै. उर्वशी साड़ी शोरुम
इंद्रा मार्केट, बारां (राज.)

चि. पीयूष नाहर
DOB: 11-9-1992
B.A., Polytechnic

निवास : सांवला जी का मंदिर, चौमुखा बाजार, बारां (राज.)
मो.: 9468822361, 9950576982 (W.A.)

वैवाहिकी परिचय विवरण

कु. प्रियंका छीपा

जन्म तिथि	:	17-11-1987
जन्म स्थान	:	निम्बाहेड़ा
जन्म समय	:	प्रात: 7.00 बजे
लम्बाई	:	5'4''
योग्यता	:	M.A., B.Ed.
जॉब	:	सरकारी स्कूल में व्याख्याता

कु. अंजलि छीपा

जन्म तिथि	:	16-10-1992
जन्म स्थान	:	निम्बाहेड़ा
जन्म समय	:	प्रात: 11.00 बजे
लम्बाई	:	4'10''
योग्यता	:	M.Com.
जॉब	:	सरकारी कार्यालय में संविदाकर्मी

कु. रश्मि छीपा

जन्म तिथि	:	30-07-1994
जन्म स्थान	:	निम्बाहेड़ा
जन्म समय	:	प्रात: 11.00 बजे
लम्बाई	:	4' 10''
योग्यता	:	M.A, B.Ed.
जॉब	:	सरकारी सर्विस की तैयारी

गौत्र निषेध:पिता - बलरिया, माता-सोपरा, दादी-ढिंढोरवाल, नानी-बाकलीवाल

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

श्रीमती मधु नामदेव W/o स्व.श्री भीकमचंद जी नामदेव, ग्राम भदेसर
जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) मो.: 8209063816, 9929256914, 9468956641

इंदौर : अन्नकूट महोत्सव में बही भजनों की सरिता

इन्दौर। श्री वैष्णव नामदेव छीपा समाज इंदौर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव 13 नवम्बर 2022 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर में भव्य फूल बंगला सजाया गया एवं 56 भोग भी आयोजित किया गया, जिसमें भजनों की सरिता बही। नामदेव छीपा समाज बंधुओं ने नाच गाकर अन्नकूट की महाप्रसादी का आनन्द लिया। कार्यक्रम की शुरूआत वरिष्ठ समाज सेवी सर्वश्री प्रेमचन्द नागर, मोहनलाल गोठरवाल, अशोक कंजोड़िया, संजय बिरोलिया एवं योगेश टोरिया आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर की।

मुख्य अतिथि श्रीमती सोनाली धारकर, (पार्षद) ने समाज बंधुओं से संस्कारों को अपनाकर अपनी संस्कृति, अपने प्रभाव तथा आपस में एकता बनाए रखने पर जोर दिया। श्री मोहन लाल गोठरवाल ने कहा कि प्राचीन समय से अन्नकूट महोत्सव लंबी आयु एवं आरोग्य के लिए किया जाता रहा है। इस बहाने समाज बंधु एकत्रित होकर आपस में मिल सकते हैं। इसलिए अन्नकूट की महत्ता है। श्रीमती सुमित्रा महाजन, पूर्व सांसद व पूर्व लोक सभा अध्यक्ष ने समाज बंधुओं से एकजुटता से रहकर आर्थिक सामाजिक एवं रोजगार के सबंलन की आवश्यकता जताई। उन्होंने दीपावली स्नेह मिलन के अवसर पर आयोजित इस इन्नकूट महोत्सव की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा समाज के लिए सदैव तत्पर रहकर कार्य करते रहने का भरोसा भी दिया।

अध्यक्ष संजय बिरोलिया (एडवोकेट) ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, विधायक श्री विशाल पटेल, पार्षद श्रीमती सोनाली धारकर थे। अध्यक्षता समाजसेवी श्री योगेश टोरिया ने की। भजन सम्राट श्री महेश ठाकुर द्वारा संत शिरोमणि श्री नामदेव महाराज के भजनों की भक्तिमय प्रस्तुति दी, जिसमें राधा कृष्णा एवं माँ काली का मंचन भी किया गया। मातृशक्ति एवं नन्हीं बालिकाओं ने सुन्दर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी। सम्पूर्ण नामदेव छीपा समाज एक परिवार हो गया। अविस्मरणीय आनंद प्राप्त हुआ। नामदेव छीपा समाज के सदस्यों एवं आमंत्रित सपरिवारों ने अन्नकूट महोत्सव में भाग लिया। समाज गौरव स्व. श्री बालाराम जी आसर्मा को याद कर उनके द्वारा स्वयं की जीवन यात्रा में त्याग, परिश्रम, ईमानदारी से समाज के प्रति नि:स्वार्थ सेवा के गुणों को ग्रहण कर समाज के चहुमुंखी विकास का संकल्प ले आसर्मा परिवार को समाज गौरव की स्मृति में भगवान विट्ठल नामदेव का सुन्दर चित्र भेंट किया गया।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंत्री श्री गिरधारी गुलगांवा एवं सहयोगी सभी कार्यकारिणी सदस्यों, युवा परिषद, युवा परिवार साथियों, डोल एकादशी समिति के सदस्यों एवं महिला सदस्यों ने किया। प्रशंसनीय कार्य करने वालों का समाज द्वारा स्वागत किया गया। नामदेव समाज एकता की एक मिसाल बने, राजनीति हो या आर्थिक रूप से चाहे सामाजिक रूप से, समाज जन मिलकर एक संकल्प लें और एकता के साथ रहें तो हर क्षेत्र में नामदेव समाज का डंका बज सकेगा। दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव में नामदेव समाज की एकता दिखाई दी। श्री संजय बिरोलिया अध्यक्ष वैष्णव नामदेव छीपा समाज इंदौर ने कार्यक्रम को सफल बनाने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

❑❑ – कैलाश कंजोड़िया, इंदौर

नोट : सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ से दीया नामदेव की भेंट

लखनऊ। शामली (उ.प्र.) की सुश्री दीया नामदेव व उनके परिवारजनो ने CBSE की 10 वीं कक्षा परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में 22-08-2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। कु. दीया ने बताया कि सीएम योगी जी ने उन्हें बोर्ड परीक्षा में शानदार रिजल्ट के लिए बधाई दी और भावी जीवन की चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना करने के लिए प्रेरित किया।

इस वर्ष 2022 में सीबीएसई हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक लाकर इतिहास रचने वाली सुश्री दीया नामदेव जैसी मेधावी बेटियां उ.प्र. का भविष्य हैं। योगी सरकार में बेटियों को घर से बाहर निकलने में अब डर नहीं लगता। कुमारी दीया ने सीएम को बताया कि वह आगे इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहती है, इसके लिए उसने तैयारी भी शुरू कर दी है। इस पर मुख्यमंत्री ने दीया को हर संभव मदद उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिया। दीया ने प्रदेश में पठन-पाठन व्यवस्था को बेहतर बनाने की कोशिशों के लिए योगी सरकार की नीतियों की सराहना भी की।

मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से खासी प्रभावित दीया ने बताया कि सीएम योगी से मिलना किसी सपने के साकार होने जैसा लगा। वह करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनसे मिलना परिवार के लिए यादगार बन गया। बातचीत के दौरान सीएम ने उनके माता पिता की आजीविका और घर की आर्थिक स्थिति की जानकारी भी ली और कुमारी दीया की सफलता के लिए माता, पिता और स्कूल की प्रधानाचार्य को बधाई दी। कुमारी दीया के पिता पुष्पेंद्र कुमार नामदेव शादी व अन्य समारोह में भोजन बनाने का काम करते हैं। होनहार दीया को उसकी शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दीया नामदेव जैसी मैधावी बेटियां उत्तर प्रदेश का भविष्य हैं। इनके सपनों को साकार करने के लिए सरकार हर जरूरी प्रयास करेगी।

कुमारी दीया नामदेव ने महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलम्बन के योगी मॉडल को शानदार कहा। कु. दीया ने कहा है कि एक समय था कि जब बेटियों को शाम होने के बाद घर से बाहर निकलने में डर बना रहता था, लेकिन अब योगी सरकार में डर नहीं लगता। शामली शहर के मोहल्ला मनिहारन निवासी दीया नामदेव 22 अगस्त 2022 को मुख्यमंत्री आवास पर अपनी माता बबिता, पिता पुष्पेन्द्र और प्रधानाचार्य आशु त्यागी के साथ सीएम योगी का आशीर्वाद लेने आई थी। ❑❑

जयपुर : रंगाई-छपाई कला विषयक संगोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्रीय पुरुस्कृत शिल्पकारों का हुआ सम्मान

जयपुर। अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समित कोटा के रंगाई-छपाई कला प्रकोष्ठ द्वारा संत नामदेव की 752 वीं जयन्ती के उपलक्ष में सीताबाड़ी, सांगानेर जयपुर में एक संगोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मोहन लाल छीपा (राष्ट्रीय अध्यक्ष) थे। विशिष्ठ अतिथि श्री शिव प्रकाश कैदरे (सहायक निदेशक -भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय), श्री तपन शर्मा (उप निदेशक-भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय), श्री घनश्याम वर्मा (राष्ट्रीय महामंत्री), श्री नवल खण्डेलवाल, (प्रकोष्ठ समन्यवक) तथा श्रीमती भानुमति गुजरानियां (महिला प्रकोष्ठ संयोजिका) थे।

शुभारम्भ नामदेव जी के चित्रपट पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। ईश वन्दना में श्री नामदेव चालीसा की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। मंचासीन मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन सांगानेरी छपाई के दुपट्टे व मालाओं से किया गया। अतिथियों को सांगानेरी बेडशीट प्रतीक चिन्ह के रूप में भेंट की गई। समारोह में उपस्थित सभी प्रकोष्ठों के संयोजकों का भी माला एवं टुपट्टों से स्वागत किया गया।

प्रकोष्ठ संयोजक श्री अवधेश पाण्डे ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि रंगाई-छपाई कला प्रकोष्ठ द्वारा अब तक अखिल भारतीय स्तर पर कार्यशालाएं व गोष्ठी आयोजित की जा चुकी है। शिल्पकारों को भारत सरकार व राजस्थान सरकार की सभी योजनाओं के बारे में नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देकर समाज के सैकड़ों बन्धुओं को जोड़ा है। सबसे पहले 2018 में आईटीआई कोटा में रंगाई-छपाई की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें छीपा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी भाग लिया था। इसके बाद आकोला, भरतपुर, उदयपुर, सांगानेर एवं कोटा में समाज की महिलाओं के लिए कार्यशालाएं हुई, जिनमें नि:शुल्क शिल्पकार कार्ड के आवेदन तैयार कराये गये। कोटा की कार्यशाला में 60 से 70 महिलाओं ने भाग लिया।

सांगानेर में कोरोना काल में भी समाज के बगरू, आकोला, सांगानेर, जयरामपुरा, बड़ागांव के छपाई व सिलाई उद्योग से जुड़े सभी बन्धुओं को रजिस्टर्ड कर, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहन लाल छीपा व जिला अध्यक्ष श्रीराम सोपरा, श्री श्याम लाल शुक्ला, श्री मुन्ना लाल कामेवाल, श्री मोहनलाल भादरा, श्री अनिल बोल्या, श्री राजेन्द्र तोणगर्या, श्री गोपाल दडावाला आदि के साथ जयपुर सांसद को कोराना सहायता के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी के नाम ज्ञापन दिया गया। कुछ समाज बन्धुओं के भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा मुद्रा लोन के आवेदन भी तैयार करवाये जाकर नई दिल्ली भेजे गये।

संगोष्ठी में सभी ने अपने विचार व सुझाव व्यक्त किये। श्री उदयवाल ने प्रदूषण के बारे में विस्तार से बताया। श्री दिनेश ने कहा कि यह लड़ाई रंगाई-छपाई के बैनर तले होनी चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इसकी घोषणा भी सभा में की। उन्होंने कहा लुप्त कला को बचाना, भावी पीढ़ी को जोड़ना, समाज के डिजायनरों की सेवाऐं उद्योगों को बढ़ाने में कारगर सिंह होगी।

गोष्ठी में सभी शिल्पकारों व समाज बन्धुओं ने रंगाई-छपाई कला प्रकोष्ठ द्वारा किये गये कार्यों की बहुत सराहना की। श्री रामस्वरूप गोठरवाल (नेताजी) ने बताया कि 1944 से केलिको सोसायटी हमारे पूर्वजों द्वारा चलाई जा रही है, जिसमें युवाओं का जुड़ाव नगन्य है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं को भी केलिको प्रिंटर्स सोसायटी का सदस्य बनना चाहिए व रंगाई-छपाई कला प्रकोष्ठ के साथ जुड़कर नये-नये कार्यक्रम व राजकीय योजनाओं का फायदा लेना चाहिए।

अन्त में सभी समानित शिल्पकारों को, जिन्हें भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार व राष्ट्रीय दक्षता प्रमाण-पत्र से नवाजा गया, उन्हें पहली बार रंगाई-छपाई कला प्रकोष्ठ के माध्यम से भी सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप समाज भूषण व समाज गौरव सम्मान-पत्र दिये गये। इनमें से 19 को समाज भूषण व 8 को समाज गौरव सम्मान से नवाजा गया। संगोष्ठी व सम्मान समारोह में आये सभी आगन्तुकों का भी प्रकोष्ठ के माध्यम से स्वागत अभिनन्दन किया गया।

इन्हें किया सम्मानित :- संगोष्ठी में समाज भूषण सम्मान से सम्मानित किये गये 19 दास्तकारों में सर्वश्री रामकिशोर छीपा (बगरू), दुर्गेश कुमार जोशी (शाहपुरा), शांति लाल जोशी (शाहपुरा), लालचंद डेरावाला (बगरू), बृजवल्लभ उदयवाल (सांगानेर), वल्लभ कोठीवाल (बगरू), कुंजबिहारी सोनावा (सांगानेर), संतोष कुमार घनोपिया (सांगानेर), अवधेश कुमार पाण्डे (सांगानेर), प्रकाश जोशी (भीलवाड़ा), मुकेश कुमार धनोपिया (सांगानेर), कल्याण जोशी (भीलवाड़ा), गोपाल जोशी (भीलवाड़ा), दिगम्बर प्रसाद मेड़तवाल (बगरू), सुरेश चंद छीपा (आकोला), सूरज नारायण तितानवाला (बगरू), श्रीमती भंवरी देवी कोठीवाल (बगरू) तथा श्रीमती प्रेमदेवी सोनावा (सांगानेर) को सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी में समाज गौरव सम्मान से आठ दस्तकारों सर्वश्री रामशरण पाण्डे (सांगानेर), राजकुमार पाण्डे (सांगानेर), विजय कुमार जोशी (शाहपुरा), सीताराम बोल्या (बगरू), आकाश छीपा (बगरू), नूतन उदयवाल (बगरू), रोशन छीपा (बगरू) तथा गणेश लाल धनोपिया (सांगानेर) को सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप सभी दस्तकारों को अभिनन्दन पत्र एवं सांगानेरी प्रिंट का दुपट्टा भेंट किया गया।

अन्त में महासभा के प्रकोष्ठ समन्वयक श्री नवल खंण्डेलवाल (कोटा) ने सभी का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा (कोटा) ने किया।

– अवधेश पाण्डे
संयोजक

❑❑

नोट : आयोजन की सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **कु. कृतिका बलरिया**
जन्म तिथि : 5-दिसम्बर-1996
जन्म समय : 08:00 सायं
लम्बाई : 5' 3''
जन्म स्थान : कोटा
योग्यता : B.Sc.
गौत्र : स्वयं-बलरिया, माता- लोबानिया,
दादी-तोनगर्या, नानी-माधोरिया

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

घनश्याम बलरिया (सेवानिवृत्त व्याख्याता)-
श्रीमती हेमलता (पापा-मम्मी)
योगेन्द्र कृष्ण बलरिया (ताऊजी)
भगवान कृष्ण बलरिया (चाचाजी)

कु. कृतिका बलरिया
DOB: 5-12-1996

निवास : 411, भगतसिंह पुस्तकालय के पास, केशवपुरा, कोटा (राज.)
मो.: 7340548715

वैवाहिकी परिचय विवरण

नाम : **चि. अभिनव बलरिया**
जन्म तिथि : 19 अक्टूबर 1995
जन्म स्थान : छबड़ा
जन्म समय : दोपहर 12.40
लम्बाई : 5'8''
योग्यता : B.A., LLB, LLM (Cyber Crime)
व्यवसाय : एडवोकेट
गौत्र निषेध : बलरिया, खण्डेलवाल,
तोनगरिया, पिपरिया

शुभेच्छु एवं सम्पर्क सूत्र

पापा-मम्मी - भगवान बलरिया (एडवोकेट)-श्रीमती सीमा (राज.वरिष्ठ अध्यापिका)
भ्राता : आर्यन बलरिया (B.Sc. LLB) (अध्ययनरत)
ताऊजी : योगेन्द्र कृष्ण बलरिया (पूर्व संस्थापन अधिकारी-शिक्षा निदेशालय)
घनश्याम बलरिया (से.नि. व्याख्याता)
नानाजी : त्रिलोकचन्द खंडेलवाल (बारां)
मामाजी : योगेश खंडेलवाल, मुकेश खंडेलवाल (बारां)

चि. अभिनव बलरिया
BA, LLB, LLM (Cyber Crime)
DOB: 19-10-1995

निवास : छबड़ा, जिला बारां (राज.) मो.: 9413005275, 9829309077

इंजी. गौरव कुमार रुहेला

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

चि. गौरव कुमार रुहेला

(दरभंगा-बिहार) को डील शेयर कम्पनी में डाटा इंजीनियर के पद पर UAE में नियुक्ति मिलने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

:: शुभेच्छु ::

श्रीमती गौड़ी देवी-स्व.श्री रामेश्वर प्रसाद (दादी-दादा)
श्रीमती आशा देवी-श्री महेश प्रसाद (व्यापारी-दरभंगा)(मम्मी-पापा)
श्रीमती टीना-श्री गौतम कुमार रुहेला (विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली) (भाई-भाभी)
श्री गोविन्द कुमार रुहेला (व्यापारी-दरभंगा)
श्रीमती ज्योति-श्री बालकृष्ण सामरिया (भारतीय वायुसेना)
श्रीमती सोनी-श्री लीलांश सिंह (बहिन-बहिनोई)
सहायक प्रबंधक-कोटक बैंक, नई दिल्ली

निवास : महेश प्रसाद, शिवाजी नगर, मशरफ बाजार, लालबाग, दरभंगा (बिहार)
मो.: 9155928014, 9155928014, 9319246967, 9489520171, 7838980153

वैवाहिकी परिचय विवरण

चि. सागर दौसाया

जन्म तिथि	:	3-जून-1996
जन्म स्थान	:	कोटा (राज.)
जन्म समय	:	01:05 सायं
लम्बाई	:	5'-11''
योग्यता	:	B.A. (Geography Hons.)
जॉब	:	स्वयं की शॉप जैना फैशन, पुरानी मण्डी चौक अजमेर

:: शुभेच्छु ::

सुशील कुमार वर्मा
श्रीमती निकिता वर्मा
(पापा-मम्मी)
स्व.श्री राधेश्याम वर्मा-
श्रीमती भगवती देवी
(दादा-दादी),
कैलाशचंद छीपा-
श्रीमती चन्द्रकला
(नाना-नानी) एवं समस्त
दोसाया परिवार, अजमेर

कु. मूमल दौसाया

जन्म तिथि	:	01-03-1999
जन्म स्थान	:	कोटा (राज.)
जन्म समय	:	09:25 प्रात:
लम्बाई	:	5'-4''
योग्यता	:	B.Des (फैशन डिजाइन) Amity University Noida
जॉब	:	Merchantising & Designer at Noida

दोनों के लिए गौत्र निषेध : दोसाया, समेरिया, तुनगरिया, मेड़तवाल

निवास : 618, 'शिवम' कृष्ण विहार, बी.के. कौल नगर, अजमेर (राज.)
मो.: 9468755203, 8852037271, 9468755202

गुजरात प्रांतीय महासभा की बैठक सम्पन्न

अहमदाबाद। श्री नामदेव छीपा समाज गुजरात प्रांतीय महासभा, अहमदाबाद की कार्यकारिणी की मीटिंग दिनांक 28/8/2022 को संस्था के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. श्री भगवान दास जी सामरिया के निवास स्थान पर संपन्न हुई, जिसमें संस्था के वर्तमान सभी सदस्य एवं पदाधिकारी सहित अतिथि विशेष डॉ श्याम सुंदर शुक्ला (जयपुर) उपस्थित रहे। नामदेव छीपा महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा इस वर्ष श्री भगवान भाई सामरिया को मरणो परान्त समाज रत्न अवार्ड से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया था। इसी निर्णय की पालना में इस बैठक में स्व. भगवान भाई के सुपुत्र को प्रांतीय अध्यक्ष मेजर जेपी वर्मा, महामंत्री ओमप्रकाश भावसार, अतिथि विशेष डॉ श्याम सुंदर शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी श्री बृजमोहन सांमरिया, श्री भरत सामरिया, संस्थान के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में स्वर्गीय श्री भगवान दास सामरिया के पुत्र श्री धवल सामरिया को मोमेंटो और प्रशस्ति-पत्र देकर 'समाज रत्न' अवार्ड प्रदान किया गया।

बैठक में समाज बधुंओं द्वारा सरकार में से ओबीसी प्रमाण-पत्र निकलवाने हेतु संस्था द्वारा छीपा जाति का प्रमाण-पत्र जारी किया जाता है, उसकी राशि 251 से बढ़ाकर 501 करने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में विधवा सहायता की वर्तमान फंडिंग की स्थिति की जानकारी उप खजांची श्री राजेश दरोल ने दी और एक साल तक विधवा सहाय की फंडिंग संस्थान के पास उपलब्ध होने की जानकारी दी। विधि एवं न्याय प्रकोष्ठ द्वारा गुजरात प्रांत में यदि किसी समाज बंधु को कानूनी जानकारी और सहायता की आवश्यकता हो तो संस्था के सदस्य श्री रमेश वकील से संपर्क कर सकते हैं। इस बात का अनुमोदन श्री रमेश वकील ने किया और सभी सदस्यों को विशेष जानकारी दी।

खजांची श्री ओम प्रकाश राजपूत द्वारा अकाउंट संबंधी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले साल का ऑडिट हो गया है, अतः उसे बहाल किया गया। श्री नामदेव छीपा महासभा कोटा द्वारा प्रकाशित होने वाली श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका का वितरण अहमदाबाद सहित पूरे राज्य में सुचारू रूप से हो, इसके लिए किसी एक व्यक्ति को जिम्मेदारी सौंपने का तय किया गया।

अंत में महामंत्री श्री ओम प्रकाश भावसार ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, अतिथियों, विशेष आमंत्रितों तथा सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभा समापन की घोषणा की।

❑❑

रावतभाटा : समग्र नामदेव समाज की अनूठी पहल

स्नेह मिलन, शोभायात्रा एवं सम्मान समारोह का शानदार आयोजन

रावतभाटा। सकल नामदेव छीपा समाज समिति के तत्वावधान में दिनांक 11 जनवरी 2023 को जैन भवन रावतभाटा जिला चित्तौड़ (राज.) में नव वर्ष स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक (बेंगू) श्री राजेन्द्र सिंह बिधुड़ी थे।

समारोह में मुख्य अतिथि पद से संबोधित करते हुए विधायक श्री राजेन्द्र सिंह बिधुड़ी ने कहा कि नामदेव समाज मेहनतकश एवं रोजमर्रा की जिन्दगी से जीने वाला समाज है। इस समाज की वह हर तरह से मदद करने के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही रावतभाटा में संत नामदेव पार्क की स्थापना नगर पालिका के माध्यम से करवायी जायेगी, जो सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त होगा। इस पार्क का रखरखाव नामदेव समाज को करना होगा। उन्होंने कहा कि नामदेव छात्रावास तथा नोहरे के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध करवाई जायेगी तथा विधायक कोष से 5 लाख रूपये की राशि मुहैया करवाई जायेगी। नामदेव भवन में संत नामदेव की प्रतिमा भी लगवाई जायेगी। विधायक महोदय ने मंच से ही जिला कलक्टर चित्तौड़ से फोन से बात कर नामदेव समाज को भूखण्ड उपलब्ध करवाने हेतु निर्देश दिये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छीपा समाज के राष्ट्रीय महासचिव श्री घनश्याम वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वह 45 साल से रावतभाटा से जुड़े हुए हैं, लेकिन यह पहला मौका है, जब समग्र नामदेव समाज द्वारा इतना शानदार कार्यक्रम आयोजित किया और उन्हें भी आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि छीपा समाज और टांक समाज के संयुक्त कार्यक्रम सर्वत्र होते रहने चाहिए। जयपुर में भी गत वर्ष नामदेव जयन्ती पर विभिन्न कार्यक्रम हुए हैं। समाज और संगठन की एकता के लिए हम सभी को सतत प्रयास करते रहना होगा।

समारोह में नामा बैंक कोटा के अध्यक्ष श्री जगदीश श्रेष्ठी ने विशिष्ठ अतिथि पद से संबोधित करते हुए कहा कि कोटा में नामा बैंक के माध्यम से समाज के जरूरतमंद सदस्य बन्धुओं को वित्तीय संबल प्रदान किया जा रहा है। न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए हम सभी को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। कोटा जिला महामंत्री राजेन्द्र आजाद ने कहा कि रंगाई छपाई प्रकोष्ठ के माध्यम से महिलाओं के आर्टीजन कार्ड बनाने के लिए रावतभाटा में भी शिविर लगवाया जा सकता है। इस मौके पर महिला मंडल कोटा की अध्यक्ष चंचल बघेलवाल तथा कुन्हाड़ी कोटा पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजेश नामा ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि विधायक श्री बिधुड़ी को माल्यार्पण कर साफा बंधवाया गया एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती दीपिका तिल्लानी एवं उप जिला मजिस्ट्रेट श्री कैलाश चंद गुर्जर, उप पुलिस अधीक्षक श्री झाबरमल यादव, पालिका

शेष भाग अगले पृष्ठ पर....

कोटा : सामूहिक विवाह सम्मेलन पांच युगल परिणय सूत्र में बंधे

संत नामदेव की जीवंत झांकी रही आकर्षण का केन्द्र

कोटा। श्री नामदेव समाज नगर महासभा समिति जिला कोटा के तत्वावधान में देवोत्थान एकादशी एवं संत नामदेव जयन्ती पर दिनांक 4 नवम्बर 2022 को 53 वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 5 युगल परिणय सूत्र में बंधे

संस्था अध्यक्ष श्री गोविन्द नामदेव ने बताया कि कोटा में संत नामदेव आई.टी.आई. भवन परिसर में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन के दिन प्रात: विनायक स्थापना के बाद नवग्रह पूजा, मंडल एवं यज्ञहवन का कार्य पुरोहित जी ने संपन्न करवाया। तत्पश्चात दिन में संत नामदेव की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें सभी दूल्हे सुसज्जित घोड़ों पर विराजमान रहे। मुख्य आकर्षण संत शिरोमणि नामदेव की सजीव झांकी थी। शोभायात्रा मुख्य बाजारों से होते हुए विवाह स्थल पर पहुंची। वहां कन्या पक्ष द्वारा नेगचार के बाद दूल्हों ने तोरण मारने की रस्म अदा की।

उन्होंने बताया कि तत्पश्चात सभी दूल्हों तथा दुल्हनों को मुख्य मंच पर आमंत्रित किया जाकर वरमाला का कार्यक्रम हुआ। वरमाला के बाद पाणिग्रहण संस्कार का कार्यक्रम हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। समाज के भामाशाहों द्वारा बड़ी संख्या में वर-वधुओं को उपहार भेंट किये गये।

आशीर्वाद समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री श्री घनश्याम वर्मा, नामा बैंक के अध्यक्ष श्री जे.पी. श्रेष्ठी एवं अन्य वरिष्ठ समाजसेवियों ने आशीर्वचन दिये। इस मौके पर नामदेव जयन्ती भी मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन नगर महासभा के उपाध्यक्ष श्री राकेश जेठानिया ने किया। इस आयोजन में श्री नामदेव समाज-समाज हितैषी सभा, नामदेव युवा मंडल एवं महिला मंडल ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

– राजेन्द्र जे. आजाद
महामंत्री, नगर महासभा, कोटा

❑❑

नोट :- आयोजन की सचित्र झलक रंगीन पृष्ठों पर

पिछले पृष्ठ का शेष भाग.....

उपाध्यक्ष श्री प्रकाश देवड़ा, टांक दर्जी समाज कोटा संभाग के उपाध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद ठाड़ा, उपाध्यक्ष श्री विष्णु प्रसाद, सचिव श्री जयप्रकाश, श्री पुरूषोत्तम कछोट का भी सम्मान किया गया। समारोह में 40 वरिष्ठ समाज बन्धुओं तथा 10 वीं एवं 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृट अंक प्राप्तकर्ता छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। आयोजन के तहत प्रात:काल रावतभाटा में शोभायात्रा एवं 61 कलशधारी महिलाओं के माध्यम से कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश बाड़ीका, प्रेमजी टेलर, दुर्गालाल नथिया एवं अरविन्द निर्वाण थे। सफल संचालन विनिता नामा एवं अरविन्द निर्वाण ने किया।

– राकेश बाड़ीका
रावतभाटा, मो. 9414185107

'भारत गौरव अवार्ड' से पेरिस में सम्मानित हुए -श्री आर.के. डेरावाला

जयपुर। फ्रांस की संसद में संस्कृति युवा संस्था की ओर से पेरिस में आयोजित भारत गौरव अवार्ड 2022 में छीपा समाज की परम्परागत हस्त छपाई कला के मशहूर शिल्पकार बगरू निवासी पद्मश्री श्री रामकिशोर छीपा (डेरावाला) को भारत गौरव अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवार्ड छपाई कला को विदेशों में विशेष पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर दिया गया है।

इन विभूतियों को मिला सम्मान :- इस समारोह में भारत की 31 विभूतियों को सम्मानित किया गया, जिनमें मशहूर कथा वाचक जया किशोरी जी, ब्रह्मा कुमारी संस्थान के ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर प्रदीप मित्ता एवं अन्य शामिल थे। नाथद्वारा में भगवान शिव की 320 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने वाले मूर्ति शिल्पकार श्री नरेश कुमावत को भी फ्रांस में भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने की।

पद्श्री रामकिशोर डेरावाला को ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय (माउन्ट आबू) द्वारा भारत की आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 10 से 14 सितम्बर 2022 तक आयोजित ग्लोबल समिट 2022 में संस्कृति मंत्रालय की ओर से 'ज्वेल्स ऑफ इंडियाज' अवार्ड से सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि श्री डेरावाला को भारत सरकार द्वारा 2009 में पद्श्री सम्मान से विभूषित किया गया था। इससे पूर्व 1987 में हाथ ठप्पा छपाई कला के क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। इनके अलावा भी इन्हें अन्य कई सम्मान एवं अवार्ड मिल चुके है। ❑❑

! अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन !

स्व. श्री शान्तिराम जी बघेरवाल

बैकुण्ठवास : 29-12-1984

स्व. श्रीमती नानगी देवी

बैकुण्ठवास : 06-04-2011

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम श्रद्धेय पूज्यनीय पिताजी एवं मातुश्री! आपका अनुकरणीय व्यक्तित्व सदैव हमें सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा। आपकी सत्कारशीलता, अतिथि देवो भव: की भावना, सामाजिकता, उदारता जैसे गुण सदैव हमारा पथ प्रदर्शन करते रहेंगे। हम सभी परिवारजन परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति प्रदान करने की कामना करते हैं ।। ओम शांति ।।

शोकाकुल -

सुभाष चन्द-श्रीमती विमला, कुलदीप कुमार-श्रीमती प्रमिला (पुत्र-पुत्रवधु), विनीत-श्रीमती स्नेहलता (पौत्र-पौत्रवधु), कार्तिक (पौत्र) एवं समस्त बघेरवाल परिवार।
श्रीमती मंजू रानी-श्री चैतेश्वर कुमार जी तौणगर्या (पुत्री-दामाद)
श्रीमती रूही रानी-श्री करन कुमार जी टाक (पौत्री-दामाद) एवं समस्त मित्रगण।

प्रतिष्ठान

श्री सांई फिनिशर्स **कियारा क्लोथे**

सम्प्रति : 160 ,केलीको प्रिन्टर्स सोसायटी के पास, सांगासेतु रोड़, सांगानेर, जयपुर (राज.)
मो.: 9414775687

सप्तम पुण्यतिथि : 14 दिसम्बर 2022

! अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन !

जन्म :
06-1-1944

वैकुण्ठवास :
14-12-2015

स्व. श्री कृष्ण कुमार जोशी

कोटा (राज.)

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम श्रद्धेय ! हम सभी परिवार जन परमपिता परमेश्वर से आपकी पावन आत्मा को चिरशांति एवं चिरमुक्ति की कामना करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

॥ ओम शांति ॥

शोकाकुल –

श्रीमती सरोज लता (धर्मपत्नी)

निवास : 3–च–10, विज्ञान नगर, कोटा (राज.)
Mob.: 9414936371

जयपुर : प्रतिभा सम्मान एवं दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर। श्री नामदेव छीपा समाज जिला हितकारिणी समिति जयपुर द्वारा 30 अक्टूबर 2022 को आयोजित प्रतिभा सम्मान, दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं आम सभा का आयोजन कृषि फार्म दुर्गापुरा जयपुर के ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जस्टिस श्री चंद्र भूषण बारोलिया (न्यायाधीश उच्च न्यायालय हिमाचल प्रदेश-शिमला) थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता शौर्य चक्र अलंकृत मेजर जे पी वर्मा अध्यक्ष गुजरात प्रांतीय श्री नामदेव छीपा महासभा अहमदाबाद एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति ने की। समारोह के मुख्य भामाशाह श्री सुरेश टांक (अध्यक्ष-विट्ठल नामदेव फाउंडेशन जयपुर) थे। भामाशाह श्रीमती दुर्गेंद्र कुमारी जगरवाल (प्रमुख समाजसेवी) रही। इस आयोजन में बड़ी संख्या में कार्यकारिणी के सदस्यों एवं समाज बंधुओं ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

समारोह में श्री जगदीश प्रसाद श्रेष्ठी प्रांतीय अध्यक्ष श्री विट्ठल नामदेव छीपा समाज प्रांतीय महासभा समिति, श्री घनश्याम वर्मा महामंत्री अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति कोटा, श्रीमती आशा नामा चेयरमैन नगरपालिका मालपुरा (टोंक), श्री धर्मेंद्र गंगवाल प्रांतीय अध्यक्ष श्री नामदेव युवा परिषद राजस्थान, श्री लक्ष्मीचंद अजमेरा पूर्व संभागीय अध्यक्ष कोटा, श्री गोविंद नामदेव (एडवोकेट) जिला अध्यक्ष कोटा, श्री राजेंद्र आजाद महामंत्री जिला कोटा, श्री सुबोध जोशी जिलाध्यक्ष चित्तौड़, मुकेश नामा (विक्की) युवा संगठन कोटा के जिलाध्यक्ष, जयपुर जिले के समाज के प्रतिष्ठित समाज बंधुओं तथा माताओं-बहनों ने प्रतिभावान छात्र- छात्राओं को शुभाशीष देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

मुख्य अतिथि आदरणीय जस्टिस चंद्र भूषण बारोलिया द्वारा छात्र-छात्राओं को जीवन में सफल होने के लिए व्यवहार, आचरण, सम्मान, संस्कार, एकाग्रता तथा अपने आपकी पहचान के लिए जीवन के अनेक संस्मरणों से अवगत करा कर मार्गदर्शन दिया। सभी छात्र-छात्राओं ने एकाग्र मन से सुनकर उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। भामाशाह श्री सुरेश टांक ने समाज की सभी खापों को एक मंच पर आकर तथा एकता का परिचय देकर नामदेव समाज को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह में श्री हनुमान सहाय छीपा (लावावालों) को गुरुश्री अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी कक्षाओं एवं विषय के अनुसार अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले 135 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल व दुपट्टा पहनाकर एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति कोटा द्वारा जिला समिति के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय शिक्षा निधि समिति के संयोजक जयपुर निवासी श्री मदन लाल छीपा (तोनगरिया) को **'समाज भूषण सम्मान'** से सम्मानित किया गया।

जिला हितकारिणी समिति जयपुर के आमंत्रण पर राज्य के कोने-कोने से आए जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं समाज बंधु समारोह में शामिल हुए और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया। निश्चित ही इससे समाज में एक नई जागृति पैदा होगी और हमारे समाज का भविष्य यह होनहार

निरन्तर...

छात्र- छात्राएं परिवार व समाज का नाम भी रोशन करेंगे।

जिलाध्यक्ष श्रीराम सोपरा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि जिला हितकारिणी समिति जयपुर गत कई वर्षों से छीपा समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित करती रही है। आज का नवयुवक ही समाज का भविष्य है। वर्तमान में जिन कठिन परिस्थितियों से हम लोग गुजर रहे हैं, उनमें भविष्य की राह आसान नहीं है। उन्होंने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं से कहा कि जिंदगी में जो हम चाहते हैं, वो आसानी से नहीं मिलता, लेकिन जिंदगी का सच यह है कि हम भी वही चाहते हैं जो आसान नहीं होता। दुनिया भी उसी की कदर करती है, जो खुद को कीमती बनाता है। उसकी नहीं जो जरा सी मुसीबत देख कर हार मान जाता है। आप सभी ने कठिन व अथक प्रयासों से सफलता प्राप्त की है। आपकी इस सफलता में निरंतरता रहनी चाहिए। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्होंने बताया कि जिला हितकारिणी समिति जयपुर अपने उद्देश्यों के अंतर्गत जयपुर जिले के नामदेव छीपा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को जो पारिवारिक आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं, उच्च शिक्षा के लिए श्री नामदेव शिक्षा निधि कोष से आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस कोष से अब तक जयपुर जिले के 34 छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहयोग प्रदान की जा चुकी हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं राजस्थान प्रशासनिक सेवा की मुख्य परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी आर्थिक सहायता दी जाती है। काउंसलिंग के द्वारा भी सहायता करने के लिए कटिबद्ध हैं, ताकि समाज का प्रशासनिक सेवाओं में वर्चस्व बढ़े। इस तरह की आर्थिक सहायता से लाभान्वित होने वाले छात्र-छात्राओं के नाम गुप्त रखते हैं, जिससे उनमें हीन भावना उत्पन्न ना हो, उन्हें मानसिक वेदना ना हो।

समारोह में सभी भामाशाहों को दुपट्टा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभी समाज बंधुओं का भी दुपट्टा पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। दीपावली की शुभकामनाओं के साथ सभी ने स्नेह भोज का आनंद लिया। समारोह का मंच संचालन श्री अवधेश पाण्डे एवं डॉ. कुलदीप बोल्या ने किया

– डॉ. कुलदीप बोल्या, महामंत्री मो. 9829059915

नोट : आयोजन की सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

जीने की राह....

इन तीन चीजों से बचकर रहें

पहले के वक्त में किसी के बर्बाद होने के लिए सीमित क्षेत्र थे। आप जिस मोहल्ले में रहते थे वहां कुछ इलाके ऐसे भी थे, जहां जाने से बचा जाता था। कुछ लोग ऐसे थे, जिनके साथ रहो तो कुसंग हो सकता था, लेकिन अब यह सब जरूरी नहीं है। अब अकेले रहकर भी बर्बाद हो सकते हैं। किसी मनुष्य या क्षेत्र का योगदान अब आवश्यक नहीं है। मल्टीपल स्क्रीन डिसऑर्डर ऐसी बीमारी हो गई है, जिसे ठीक से नहीं समझा तो फिर अस्पताल में ही भर्ती होना पड़ेगा। कम्प्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल ये त्रिदेव बहुत बारीकी से संभालने की चीज हो गए हैं।

अगर आप रोज ऑनलाइन 10 से 12 घंटे गुजार रहे हैं तो खुद-ब- खुद बर्बाद हो रहे हैं। इसलिए हम स्वयं भी सावधान रहें और अपनी युवा पीढ़ी पर भी नजर रखें, क्योंकि ये तीनों बर्बाद करने के मामले में उम्र नहीं देखते। जो सामने आया वो निपट जाएगा, अगर वो जरा भी असावधान रहा।

– पं. विजयशंकर मेहता

चित्तौड़गढ़ : प्रतिभा सम्मान एवं समाजसेवी अभिनन्दन समारोह सम्पन्न

नवाचार : दिवंगत समाज सेवियों की स्मृति में दिये सम्मान-पत्र

चित्तौड़गढ़। श्री नामदेव छीपा समाज जिला हितकारिणी संस्थान, चित्तौड़गढ़ का प्रतिभाओं व समाज सेवियों का सम्मान समारोह चित्तौड़गढ़ स्थित राजस्थान राज्य भारत स्काउट-गाइड जिला मुख्यालय परिसर में 18 दिसम्बर 2022 को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पद्मश्री श्री रामकिशोर छीपा (बगरू) थे। उन्होंने सभी प्रतिभाओं से अच्छे अध्ययन व आकर्षक नौकरियों के लिए कठोर परिश्रम करने की बात कही। नामा बैंक कोटा के अध्यक्ष श्री जगदीश श्रेष्ठी (कोटा) ने विशिष्ठ अतिथि पद से सभी प्रतिभाओं से वर्तमान परिवेश के अनुरूप अध्ययन पर जोर दिया। विशिष्ठ अतिथि श्रीराम सोपरा (जयपुर) ने सभी छात्रों और समाजसेवियों के कार्यों की प्रशंसा की और आगे भी समाज हित में सेवा देने का आग्रह किया। अखिल भारतीय रंगाई-छपाई प्रकोष्ठ के संयोजक श्री अवधेश पाण्डे (जयपुर) ने रंगाई-छपाई के क्षेत्र की विभिन्न केन्द्रीय व राज्य स्तरीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने पर बल दिया।

समारोह के अध्यक्ष पद का निर्वहन करते हुए श्री गणपत लाल छीपा (मंगलवाड़) ने छीपा जाति की राष्ट्रव्यापी एकरूपता के लिए जातिवाचक शब्द के सम्बोधन पर बल देने वाली बात कही। उन्होंने कहा कि नामा, नामदेव या छीपा, चाहे जो लिखो, मगर राजनैतिक अधिकार व लाभ के लिए राष्ट्रस्तर पर एकरूपता जरूरी है। अखिल भारतीय मंदिर प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री प्रकाश चन्द्र डिग्गीवाल (उदयपुर) ने प्रतिभावान छात्रों की प्रशंसा करते हुए, शिक्षा की वर्तमान स्थिति अनुरूप अध्ययन करने पर बल दिया। प्रान्तीय युवा अध्यक्ष धर्मेन्द्र गंगवाल ने युवा पीढ़ी को दायित्व बोध का परिचय कराते हुए नौकरियों के पीछे न पड़कर व्यवसाय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

जिला हितकारिणी संस्थान चित्तौड़ के जिलाध्यक्ष सुबोध कुमार जोशी ने समारोह में दिये गये दोनों स्तरों के पुरूस्कारों को लेकर एक नवाचार किया, जो समाज में अनूठा उदाहरण है। यह नवाचार जिला स्तर, संभाग स्तर व राज्य स्तर के दिवंगत समाजसेवियों के नाम पर पुरूस्कार का नाम रख कर किया, इसके पीछे इनकी यह धारणा रही कि दिवंगत समाज सेवियों को सत्यत: श्रद्धांजलि देना और उन्हें स्मरण कर अन्य व्यक्तियों को भी समाज सेवा के लिए प्रेरित करना। यहाँ स्मृति चिन्हों के स्थान पर छात्रोपयोगी एक-एक मध्यम आकार का ग्लोब पुरूस्कार स्वरूप दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सत्र 2021 के 75 प्रतिशत व उससे अधिक 14 अंकधारकों व सत्र 2022 के 10 परीक्षार्थियों को समाज के अलग-अलग दिवंगत समाज सेवियों के नाम से बने प्रशंसा-पत्रों के साथ एक-एक ग्लोब व नामदेव जी का उपरना भेंट कर पुरूस्कृत किया गया। इन छात्रों में वर्ष 2021 की सुश्री खुशी छीपा (10 वीं) को स्व. विट्ठल बलराम गंगवाल पुरूस्कार, सुश्री हर्षिता छीपा (10 वीं) को स्व. दौलतराम मेड़तवाल पुरूस्कार, सुश्री मनीषा छीपा (10वीं) को स्व. श्रीलाल जोशी पुरूस्कार, सुश्री अदीति छीपा (12वीं-विज्ञान) को

स्व. सुदीप मेड़तवाल पुरूस्कार, सुश्री चेतना छीपा (12वीं –कला) को स्व. भैरूलाल पाटौदी पुरूस्कार, सुश्री नन्दिनी छीपा (12वीं–कला) को स्व. केशुराम बघेरवाल पुरूस्कार, सुश्री शगुन छीपा (12वीं –वाणिज्य) को स्व. रामस्वरूप साध पुरूस्कार, सुश्री सिरमन छीपा (12वीं –विज्ञान) को स्व. लहरीलाल श्रेष्ठी पुरूस्कार, सुश्री वैशाली (12वीं –विज्ञान) को स्व. घनश्याम लाल पटवा पुरूस्कार, सुश्री प्रिया छीपा (बीएससी) को स्व. चांदमल टाण्डी पुरूस्कार, सुश्री पूजा (बीएससी–नर्सिंग) को स्व. पूनमचन्द्र वर्मा पुरूस्कार, सुश्री अनुराधा छीपा (एसएससी –भौतिक) को स्व. भगवान लाल गंगवाल पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार वर्ष 2022 के श्री प्रियांशु छीपा (8वीं), श्री देवांश जड़िया (10वीं), सुश्री चंचल छीपा (10वीं), श्री हर्ष छीपा (10वीं), सुश्री प्रतिभा टाण्डी (10वीं), श्री यश छीपा (10वीं), सुश्री दिव्या छीपा (12वीं –विज्ञान), मनसा प्रवीण गंगवाल (12वीं–कला), सुश्री सिद्धी प्रवीण गंगवाल (12वीं – विज्ञान), सुश्री सिद्धिका छीपा (12वीं –विज्ञान) सुश्री दिशा छीपा (12वीं विज्ञान) को स्व. अर्चना तलाइच पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

समारोह में समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी श्री बंशीलाल नागर– (चित्तौड़गढ़) को स्व. पूनमचन्द वर्मा सम्मान, श्री कालू लाल जड़िया–(चित्तौड़गढ़) को स्व. दौलतराम मेड़तवाल सम्मान, श्री गणपतलाल छीपा (मंगलवाड़) को स्व. रामस्वरूप साध सम्मान, श्री देवनारायण पीलिया (मंगलवाड़) को स्व. श्री विट्ठल बलराम गंगवाल सम्मान, श्री जगदीशचन्द्र पीलिया–(आकोला) को स्व. भैरूलाल पाटोदी सम्मान, बेगूं के श्री सत्यनारायण लफून्दरा को स्व. श्रीलाल जोशी सम्मान, श्री ओमप्रकाश गंगवाल को स्व. घनश्याम लाल पटवा सम्मान और श्री प्रमोद कुमार बघेरवाल को स्व. चांदमल टाण्डी सम्मान से सम्मानित करते हुए मेवाड़ी पाग व समाज गौरव सम्मान पत्र प्रदान किये गये।

समाज के भौतिक विकास के लिए चार लाख ग्यारह हजार रू. श्री नामदेव छीपा समाज विकास संस्थान, चित्तौड़गढ़ को भेंट करने वाली समाजसेवी महिला श्रीमती संध्या मेड़तवाल को श्री रूक्मणि महिला परिषद की अध्यक्ष मीना नागर द्वारा शॉल, प्रशस्ति पत्र व नामदेव जी का उपरना ओढ़ा कर स्व. लहरीलाल श्रेष्ठी सम्मान के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

अध्यक्ष सुबोध कुमार जोशी ने आगन्तुक सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए हितकारिणी संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी। उल्लेखनीय बात यह भी रही कि समारोह में एक ही परिवार की तीन छात्राओं में से एक ने 10वीं, दूसरी ने बीएससी और तीसरी ने एमएससी (भौतिक) का पुरूस्कार प्राप्त किया। इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए हार्दिक बधाई दी गई। जिलाध्यक्ष सुबोध जोशी ने कहा कि छीपा समाज की बालिकाएं 80–90 अंको के साथ श्रेष्ठतम परीक्षा परिणाम ला रही है। ऐसी स्थिति में लड़को की उच्च शिक्षा की ओर भी हमें ध्यान देना होगा। अन्त में युवा परिषद के अध्यक्ष श्री शिवनारायण आंछेरा ने आभार व्यक्त किया।

– सुबोध कुमार जोशी
जिला अध्यक्ष, चितौड़गढ़
मो. : 9413584625

❑❑

नोट : आयोजन की सचित्र झलकियां रंगीन पृष्ठों पर.....

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

पद्मश्री रामकिशोर छीपा (डेरावाला)

को फ्रांस की संसद में संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में छपाई कला को विदेशों में विशेष पहचान दिलाने पर 'भारत गौरव' अवार्ड से सम्मानित किये जाने तथा

ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय (माउन्ट आबू) द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित ग्लोबल समिट-2022 में संस्कृति मंत्रालय की ओर से सम्मानित किये जाने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

मोहनलाल भातरा, हनुमान सहाय मेड़तवाल, किशन छीपा, गणपत जी बोल्या-विजय लक्ष्मी, रामकिशन जी-संगम कोठीवाल, दीपक जी-नीतू भातरा, जितेन्द्र जी-जनक, आशीष जी-मोनिका, श्यामसुंदर टेकेवाले, गणेशनारायण कोठीवाल, बाबूलाल पटेल, पौत्र-अरविन्द, मन्नू

प्रतिष्ठान

मै. डेरावाला आर्टीजन प्रा. लि. डायरेक्टर - रोशन छीपा - वंदना छीपा

M/s. R.K. Derawala प्रो. आर.के. डेरावाला

वनस्पति रंगों तथा हाथ ठप्पा छपाई एवं रंगाई के विशेषज्ञ दस्तकार

निवास: मीणों का मोहल्ला, बाईपास रोड, बगरू (राज.) 303007

Email : rkderawala@hotmail.com Mob.: 9829065347

News Paper Registration No.: 38303/83
Govt. of India (New Delhi)

Life Membership Rs. 1500/-
Each copy 30/-

सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

श्री महेश जोशी (कोटा)

को राजस्थान लेखा सेवा संवर्ग में 34 वर्ष की सेवाएं सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेखाधिकारी (मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, कोटा) पद से दिनांक 30 सितम्बर 2022 को सेवानिवृत्त होने पर

हार्दिक बधाई एवं मंगल कामनाएं

शुभेच्छु :

सत्यनारायण जोशी–श्रीमती विद्या, विरधीचंद जोशी–श्रीमती शकुंतला (चाचा–चाची), श्रीमती संतोष (धर्मपत्नी), यत्नेश–प्रियंका (पुत्र–वधु), हर्षिता–नीलेश जी (पुत्री–दामाद), विधान (दोहिता), येधान्त (पौत्र), ओमप्रकाश–रेणुका, कौशल कुमार–रंजीता (भ्राता–वधु) अंगूर–राजेन्द्र जी, उषा–अरविन्द जी, मंजूषा–विजय जी (बहिन–बहिनोई), चिन्मय, प्रत्यूष, सौहार्द, समस्त जोशी परिवार (चेचट वाले) एवं समस्त मित्रगण।

निवास: 3-A-54, महावीर नगर तृतीय, कोटा (राज.)
मो.: 9413350915, 9461021202

BOOK PACKET CONTAINING PRINTED MATTER

प्रेषक :

श्री विट्ठल नामदेव पत्रिका
संत नामदेव आई.टी.आई., प्लाट नं. 1,
सेक्टर–1, महावीर नगर विस्तार योजना,
कोटा–324009 (राज.)
M.: 9413364741
(मुख्यालय : अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा समिति)

श्रीमान्_____

_____

_____

_____ □□□□□□